RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:65 ता. 28 अगस्त 2023, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

शेरों को राजस्थान में लाने के लिए केन्द्र सरकार को लिखा जाएगा पत्र-गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राजस्थान में वन एवं वन्यजीव संरक्षण को लेकर सराहनीय कदम उठाये जा रहे हैं और अब प्रदेश में शेरों को लाने के लिए केन्द्र सरकार को पत्र लिखा जायेगा। गहलोत शनिवार रात मुख्यमंत्री निवास पर राज्य वन्यजीव मंडल की 14वीं बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों से आज प्रदेश में बाघों की संख्या सौ से अधिक हो चुकी है। हमारे प्रयासों से राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा 2022 में जारी की गई समीक्षा रिपोर्ट में रणथम्भौर एवं सरिस्का टाइगर रिजर्व की रेटिंग बेहतर हुई है। राज्य के 29 कंजर्वेशन रिजर्व में से 16 वर्तमान सरकार के कार्यकाल में बनाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट, प्रोजेक्ट टाईगर आदि के माध्यम से देश में पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहन दिया। प्रोजेक्ट टाईगर में जोधपुर के कैलाश सांखला को पहला प्रोजेक्ट निदेशक नियुक्त किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस दिशा में एन्वायरमेंटल प्रोटेक्शन एक्ट, गंगा एक्शन प्लान एवं वेस्टलैण्ड डवलपमेंट बोर्ड जैसे नवाचार किए। पूर्ववर्ती केन्द्र सरकार नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट लेकर आई। इसी क्रम में हमारी सरकार भी राज्य के वन एवं वन्य जीवों को संरक्षित करने का कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि पहली बार इसके लिए बजट में पर्याप्त प्रावधान किया गया है। राज्य के छह टाईगर रिजर्व में से तीन वर्तमान सरकार के कार्यकाल में बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 10 हजार हेक्टेयर से अधिक का ग्रासलैण्ड विकसित किया जा रहा है। विभिन्न टाईगर रिजर्व से 741 परिवारों का पुनर्वास किया गया है, जिससे मैन-वाइल्ड टकराव में कमी आई है। प्रोजेक्ट गोडावण के तहत इन्क्यूबेशन सेंटर में आर्टिफिशियल हेचिंग से गोडावण के अंडों से निकले बच्चों की दूसरी पीढ़ी के बच्चे भी हो चुके हैं।

श्री गहलोत ने कहा कि प्रदेश में शेरों को लाने के लिए केन्द्र सरकार को चिट्ठी लिखी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने राज्य जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड का नाम अमृता देवी के नाम से करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि अमृता देवी का बलिदान सभी को पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देता है।

चंद्रयान-3 मिशन में महिलाओं का योगदान अमूल्य, पीएम मोदी ने की जमकर तारीफ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए देशवासियों को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान चंद्रयान मिशन की सफलता को लेकर देशवासियों को बधाई दी और इस मिशन में महिला वैज्ञानिकों के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा, मन की बात के अगस्त के इस एपिसोड में आपका स्वागत है। मुझे याद नहीं कि ऐसा कभी हुआ हो कि सावन के महीने में दो-दो बार मन की बात कार्यक्रम हुआ हो। लेकिन इस बार ऐसा हो रहा है। चंद्रयान को चंद्रमा पर पहुंचे तीन दिन का समय हो रहा है। यह सफलता इतनी बड़ी है कि इसकी जितनी चर्चा की जाए कम है। आसमान में घने बादल को चीरकर, रोशना का संकल्प ले, अभी तो सूरज उगा है। दृढ़ निश्चय को साथ ले, घोर अंधेरे को मिटाने अभी तो सूरज उगा है। पीएम मोदी ने कहा, चंद्रयान उस भारत का प्रतीक बन गया है जो कि हर हाल में जीतना चाहता है और जीतना जानता है। इस मिशन का एक पक्ष ऐसा भी रहा जिसकी विशेष तौर पर चर्चा करना चाहता हूं। इस बार मैंने लालकिले से कहा कि हमें राष्ट्रीय चरित्र को सशक्त करना है। जहां महिला शक्ति का सामर्थ्य जुड़ जाता है वहां असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। इस पूरे मिशन में अनेक महिला वैज्ञानिक और इंजीनियर जुड़ी रहीं। इन्होंने प्रोजेक्ट डायरेक्टर, प्रोजेक्टक मैनेजर की जिम्मेदारी संभाली है। भारत की बेटियां अब अंतरिक्ष को भी चुनौती दे रही हैं। किसी देश की बेटियां जब इतनी आकांक्षी हो जाएं तो उस देश को विकसित बनने से भला कौन रोक सकता है।

जी-20 को लेकर क्या बोले पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, आज हमारी इतनी ऊंची उड़ान इसलिए है क्योंकि हमारे प्रयास बड़े हैं। इस मिशन में दुनिया के कई देशों का सहयोग मिला। मेरे परिवारजनों सितंबर का महीना भारत के सामर्थ्य का साक्षी बनने जा रहा है। अगले महीने होने जा रही जी20 बैठक के लिए भारत तैयार है। जी20 इतिहास में यह सबसे बड़ी साझेदारी होगी। 40 देशों के राष्ट्राध्यक्ष दिल्ली आ रहे हैं।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स की बात

मन की बात में हम अकसर युवा पीढ़ी के सामर्थ्य की चर्चा करते हैं। खेलकूद के क्षेत्र में युवा नाम रोशन कर रहे हैं। कुछ दिन पहले चीन में वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम हुए थे। इसबार भारत की अबतक की सबसे अच्छी पर्फॉर्मेंस रही है। हमारे खिलाड़ियों ने 26 मेडल जीते जिनमें से 11 स्वर्ण पदक थे। 1959 के बाद से जितने बी वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम हुए हैं उनके सारे मेडल जोड़ दें तो 18 ही संख्या होती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम के दौरान कई खिलाड़ियों से बात भी की। उन्होंने कई खिलाड़ियों का नाम भी बताया। पीएम मोदी ने खिलाड़ियों से बात करते हुए कहा, कबड्डी, खोखो, ये सारे गेम हमारी धरती से जुड़े हैं। इन्हें जरूर खेलना चाहिए। पहले बच्चा खेलने जाते थे तो लोग रोकते थे। लेकिन अब परिवारों का भाव बदला है. अब जहां भी हमारे बच्चे जा रहे हैं, वे कुछ ना कुछ अच्छा करके आते हैं। पीएम मोदी

ने आगे कहा , इस बार 15 अगस्त के दौरान देश में सबके सामर्थ्य का नमूना दिखा। हर घर तिरंगा अभियान को वास्तव में हर मन तिरंगा अभियान बना दिया। तिरंगे की बिक्री की वजह से महिलाओं और कामगारों को सैकड़ों करोड़ रुपये का फायदा मिला। तिरंगे के साथ सेल्फी पोस्ट करने के मामले में भी देशवासियों ने रिकॉर्ड बना दिया। इस बार यह संख्या 10 करोड़ को भी पार कर गई। इस सयम देश में मेरी माटी मेरा देश अभियान जोरों पर है। सितंबर के महीने में देश के गांव-गांव में हर घर से मिट्टी जमा करने का अभियान चल रहा है। अक्टूबर में मिट्टी देश की राजधानी दिल्ली पहुंचेगी। इससे अमृत वाटिका का निर्माण होगा।

पीएम मोदी ने कहा, सावन मास की पूर्णिमा को विश्व संस्कृत दिवस मनाया जाता है। आप सभी को बहुत-बहतु बधाई। संस्कृति दुनिया की सबसे प्राचीन भाषाओं में से एक है। संस्कृति अपनी वैज्ञानिकता और व्याकरण के लिए भी जानी जाती है। भारत का विज्ञान सैकड़ों वर्षों तक संस्कृत में ही रचा गया है। अब बहुत सारे लोग संस्कृत सीख रहे हैं। आप 10 दिन के संस्कृत संभाषण में भाग ले सकते हैं। बीते वर्षों मे देश का विशेष योगदान है। तीन संस्कृत विश्वविद्यालय खोले गए। अलग-अलग शहरों में संस्कृत के कॉलेज चल रहे हैं। आईआईटी और आईआईएम में संस्कृत केंद्र पॉप्युलर हो रहे हैं। जब हम अपनी मातृ भाषा से जुड़ते हैं तो सहज रूप से अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़ जाते हैं।

ऐसी ही भारत की एक और मातृ भाषा है। गौरवशाली तेलुगु भाषा। 29 अगस्त को तेलुगु भाषा दिवस मनाया जाएगा। तेलुगु भाषा का साहित्य अनमोल रत्न है। यह विरासत पूरे देश को मिले इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, चीजों को देखे बिना उसके सुंदरता का आकलन नहीं किया जा सकता। मैं अकसर आग्रह करता हूं कि जब मौका मिले हमें अपने देश की विविधता को देखने जरूर जाना चाहिए। हम भले ही दुनिया का कोना-कोना छान मारते हैं लेकिन अपने शहर या फिर राज्य के स्थलों को नहीं देख पाते हैं।

डेयरी सेक्टर आगे बढ़ रहा: पीएम मोदी

आप सभी जानता हें कि डेयरी सेक्टर हमारे देश का अहम सेक्टर है। कुछ दिन पहले गुजरात के बनासडेयरी के एक रुचिकर बात के बारे में पता चला। इसे एशिया के सबसे बड़ी डेयरी के रूप में जाना जाता है। अभी तक दूसरे राज्यों में दूध भेजने के ले टैंकर का सहारा लिया जाता था। इसमें लोडिंग और अनलोडिंग में समय बहुत लगता था। इस समस्या को दूर करने के लिए भारतीय रेलवे ने एक नया प्रोजेक्ट किया। रेलवे ने ट्रक ऑन ट्रैक की सुविधा शुरू की। दूध के ट्रकों को सीधे ट्रेन पर चढ़ा दिया जाता है। अब आधे से भी कम समय में दूध पहुंच रहा है। इससे ट्रकों के ड्राइवरों का भी जीवन आसान हुआ है। हमारी डेयरी भी अब आधुनिक सोंच के साथ आगे बढ़ रही है।

कांग्रेस का 11 वचनों के साथ खुशहाली का संकल्प: कमलनाथ

भोपाल। कांग्रेस की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आज कहा कि कांग्रेस अपने 11 वचनों के साथ मध्यप्रदेश के हर घर में खुशहाली लाने के संकल्प को लेकर जनता के बीच है।

श्री कमलनाथ ने एक्स किया, कांग्रेस अपने 11 वचनों के साथ मध्यप्रदेश के हर घर में खुशहाली लाने के संकल्प के साथ जनता के बीच है। मध्यप्रदेश की जनता को सुनिश्चित करना है कि वोटों की बोली लगाने वाली सौदागर सरकार के नापाक मंसूबे कामयाब न हों, अब सच्चाई की राजनीति को ही समर्थन और आशीर्वाद मिले।

उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी सरकार इस समय जनता को राहत देने के लिये नहीं बल्कि अपनी डूबती नैय्या बचाने के लिये रोज मुखौटे बदल रही है।

इसके साथ ही श्री कमलनाथ ने कांग्रेस के 11 वचन भी दोहराए, जिसमें महिलाओं को डेढ़ हजार रुपए प्रतिमाह और 500 रुपए में गैस सिलेंडर शामिल है।

कमलनाथ ने एक्स किया, कांग्रेस अपने 11 वचनों के साथ मध्यप्रदेश के हर घर में खुशहाली लाने के संकल्प के साथ जनता के बीच है। मध्यप्रदेश की जनता को सुनिश्चित करना है कि वोटों की बोली लगाने वाली सौदागर सरकार के नापाक मंसूबे कामयाब न हों, अब सच्चाई की राजनीति को ही समर्थन और आशीर्वाद मिले।

क्या है लैग्रेंज पॉइंट जहां रुककर इसरो का आदित्य एल-1 करेगा सूर्य का अध्ययन ?

नई दिल्ली। चंद्रयान मिशन की सफलता के बाद अब इसरोआदित्य एल-1 मिशन की तैयारी पूरी कर रहा है। सूर्य के अध्ययन के लिए भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी पहली बार अंतरिक्ष आधारित कोई मिशन लॉन्च करने जा रही है। इसे सितंबर के पहले सप्ताह में ही श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा। इसरो चीफ सोमनाथ ने कहा कि अगले एक या दो दिन में लॉन्च का सही समय और तारीख बता दिया जाएगा। बता दें कि इस स्पेसक्राफ्ट को सूर्य और धरती के होलो ऑर्बिट सिस्टम में लैग्रेंज पॉइंट 1 पर सथापित किया जाएगा। इसकी धरती से दूरी 15 लाख किलोमीटर होगी।

125 दिनों का सफर करेगा आदित्यन एल-1-लैग्रेंज पॉइंट से बिना किसी बाधा के अंतरिक्ष यान सूर्य का अध्ययन कर पाएगा। यहां से ग्रहण का भी असर नहीं दिखाई देगा। लॉन्च के बाद एल-1 पॉइंट तक पहुंचने में आदित्यन एल-1 को 125 दिनों का समय लगेगा। सोमनाथ ने कहा, हमें 125 दिनों का इंतजार करना होगा। आदित्य एल-1 मिशन के साथ सात पेलोड जाएंगे जो कि फोटोस्फेयर, क्रोमोस्फेयर और सूर्य की बाहरी परत का अलग-अलग वेवबैंड में अध्ययन करेगा।

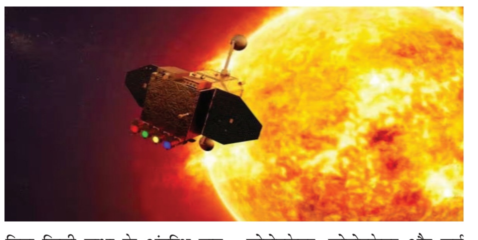

क्या है लैग्रेंज पॉइंट

लैग्रेंज पॉइंट 1 को सामान्य तौर पर एल-1 के नाम से जाना जाता है। ऐसे पांच पॉइंट धरती और सूर्य के बीच हैं जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल बैलेंस हो जाता है और सेंट्रिफ्युगल फोर्स बन जाता है। ऐसे में इस जगह पर अगर किसी ऑब्जेक्ट को रखा जाता है तो वह आसानी से दोनों के बीच स्थिर रहता है और एनर्जी भी कम लगती है। पहले लैग्रेंज पॉइंट धरती और सूर्य के बीच 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर है। आम शब्दों में कह सकता है कि एल-1 ऐसा बिंदु है जहां पर कोई भी ऑब्जेंटक सूर्य और धरती से बराबर दूरी पर स्थिर रह सकता है। यह दोनों ही बॉडीज के गुरुत्वाकर्षण के संगम की वजह से होता है। ऐसे में यह स्थान अध्ययन के नजरिए से उपयुक्त रहता है। उदाहरण के तौर पर सोलर ऐंड हेलिस्फेरिक ऑब्जर्वेटरी एल-1 के पास ही ऐसा बिंदु है जहां से बिना किसी बाधा के कॉस्मोस पर नजर रखा जा सकता है।

पूनियां ने साइकिल चलाकर साइक्लोथोन का किया शुभारंभ

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा सतीश पूनियां ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया अभियान का आह्वान करते हुए कहा है कि पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को पेड़ और साइकिल को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए

डा पूनियां ने ज्वैलर्स एसोसिएशन जयपुर और मारवाड़ी युवा मंच द्वारा जयपुर में आयोजित साइक्लोथोन कार्यक्रम का गांधी सर्किल पर शुभारंभ के अवसर पर रविवार सुबह यह बात कही। उन्होंने कार्यक्रम में श्री मोदी के फिट इंडिया अभियान का आह्वान किया और कहा कि हर व्यक्ति अपने जन्मदिन या खुशी के अन्य किसी अवसर पर पेड़ जरूर लगाए और साइकिल चलाये तथा पर्यावरण संरक्षण के हित में हम सभी को पेड़ और साइकिल को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाना चाहिए।

इस मौके उन्होंने युवाओं, व्यापारियों सहित जयपुरवासियों के साथ कई किलोमीटर तक साइकिल चलाई। इस अवसर पर सांसद रामचरण बोहरा एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी आदि मौजूद थे।

राहुल गांधी हैं कांग्रेस की तरफ से पीएम उम्मीदवार, मुंबई वाली बैठक से पहले गहलोत का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली। मुंबई में इंडिया गठबंधन की तीसरी बैठक होने वाली है। इससे पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को 2024 के लोकसभी चुनाव में कांग्रेस पार्टी की तरफ से प्रधानमंत्री उम्मीदवार बताया है। गहलोत ने समाचार पत्र के साथ बात करते हुए दावा किया है कि यह फैसला सभी दलों ने चर्चा और विचार-विमर्श के बाद किया है। इंडिया गठबंधन की आवश्यकता के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, जनता ने ऐसा दबाव बनाया, जिसके परिणामस्वरूप सभी विपक्षी दलों का गठबंधन हुआ है।

गहलोत ने आगे कहा, पीएम मोदी को अहंकारी नहीं होना चाहिए, क्योंकि 2014 में बीजेपी केवल 31 प्रतिशत वोटों के साथ सत्ता में आई थी। बाकी 69 प्रतिशत वोट उनके खिलाफ थे। उन्होंने कहा कि जब पिछले महीने बेंगलुरु में इंडिया गठबंधन की बैठक हुई, उसके बाद से एनडीए डरा हुआ है।

अशोक गहलोत से जब बीजेपी के उन दावों के बारे में पूछा गया कि एनडीए 2024 के चुनाव में 50त्र वोटों के साथ सत्ता में आने के लिए काम कर रहा है तो उन्होंने कहा, ÷पीएम मोदी कभी भी इसे हासिल नहीं कर पाएंगे। जब मोदी अपनी लोकप्रियता के चरम पर थे, तो वह ऐसा कर सकते थे। उनका वोट शेयर घट जाएगा और 2024 के चुनाव के नतीजे तय करेंगे कि प्रधानमंत्री कौन बनेगा।

अशोक गहलोत ने यह भी दावा किया कि पीएम मोदी 2014 में कांग्रेस की वजह से प्रधानमंत्री बने। उन्होंने पीएम मोदी की बोलने की शैली की आलोचना करते हुए कहा कि लोकतंत्र में भविष्य के बारे में भविष्यवाणी करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा, यह निर्णय लोगों को करना चाहिए। सभी को उनकी पसंद का सम्मान करना चाहिए। पीएम मोदी ने कई वादे किए लेकिन जनता जानती है कि उनका क्या हुआ।

गहलोत ने चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्रियों जवाहर लाल नेहरू और इंदिरा गांधी को दिया। उन्होंने कहा, चंद्रयान-3 की सफलता में भी नेहरू का योगदान अहम है और मौजूदा उपलब्धियां इंदिरा गांधी और नेहरू की कड़ी मेहनत का नतीजा हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की स्थापना इसलिए की गई क्योंकि नेहरू ने वैज्ञानिक विक्रम साराभाई का सुझाव सुना था। उन्होंने कहा कि उस समय अंतरिक्ष केंद्र का नाम कुछ और था लेकिन इंदिरा गांधी के सत्ता में आने के बाद इसे बदलकर इसरो कर दिया गया।

कब मिलेगी उमस से राहत ? बिहार में ऑरेंज अलर्ट; इन राज्यों में होगी मूसलाधार बारिश

नई दिल्ली। मौसम इस समय अजीब खेल कर रहा है। एक तरफ पहाड़ी इलाकों में मूसलाधार बारिश की वजह से नदियां उफान पर हैं तो दूसरी तरफ दिल्ली और आसपास के इलाकों में लोग उमस से जूझ रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को असम और मेघालय के साथ अरुणाचल प्रदेश में मूसलाधार वर्षा की संभावना है। वहीं उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, गोवा, तमिलनाडु और पुदुच्चेरी में भी अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि जम्मू-कश्मीर, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, तटीय आंध्र और तमिलनाडु में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं अरब सागर में हवाओं की तेज गति की वजह से मछुआरों के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है और उन्हें गहरे समंदर में जाने से सावधान किया गया है।

दिल्ली को मिलेगी उमस से राहत?

राजधानी दिल्ली को फिलहाल उमस से राहत मिलने की संभावना नजर नहीं आ

रही है। मौसम विभाग के मुताबिक अब इस महीने बारिश की संभावना बहुत कम ही है। हालांकि दिल्ली और आसपास के इलाकों में बादल छाए रहेंगे। हवा की तेज गति गरमी से थोड़ी राहत जरूर दिलाएगी। 15 सितंबर तक दिल्ली का मौसम शुष्क रह सकता है। बीच-बीच में छिटपुट बूंदाबांदी से थोड़ी राहत मिल सकती है।

कैसा रहेगा यूपी-बिहार और अन्य राज्यों का मौसम

उत्तर प्रदेश में बीते दोनों दिनों से कई जगहों पर भारी वर्षा हुई। हालांकि मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार दिनों तक भारी बारिश के आसार नहीं है। मॉनसून अब कम से कम एक सप्ताह का ब्रेक ले रहा है। बिहार के 18 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसमें मधुबनी, पूर्वी चंपारण, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, मधेपुरा, दरभंगा, नालंदा, सारण, बेगुसराय, सीतामढ़ी आदि शामिल हैं। वहीं राजस्थान और हरियाणा की बात करें तो मौसम शुष्क बना हुआ है। अगले कुछ दिनों तक यहां भी ज्यादा बारिश की संभावना नहीं है।

भाजपा सांसद राजदीप रॉय के घर में मिला 10 वर्षीय बच्चे का शव

गुवाहाटी ।असम के सिचलर से भारतीय जनता पार्टी के सांसद राजदीप रॉय के घर में एक 10 साल के बच्चे का शव बरामद हुआ। पुलिस ने भाजपा सांसद के घर से शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया। लड़के की पहचान राजदीप रॉय (बीजेपी सांसद का हमनाम) के रूप में की गई है, जो कक्षा 5 का छात्र था और उसके परिवार के अनुसार, वह कुछ वर्षों से अपनी मां और बड़ी बहन के साथ सांसद के घर पर रह रहा था। बच्चे के परिवार के एक सदस्य ने शनिवार शाम मीडिया को बताया कि हम लोग कछार जिले के पालोंग घाट इलाके के रहने वाले हैं। लड़के की मां सांसद राजदीप रॉय के घर पर घरेलू सहायिका के रूप में काम करती हैं। अपने दो बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए, वह कुछ साल पहले उन्हें सिलचर ले आई थीं। घटना की सूचना मिलने के बाद भाजपा सांसद राजदीप रॉय अपने घर पहुंचे और बाद में मीडिया को बताया कि दरवाजा अंदर से बंद था और जब पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो लड़का बेहोश पाया गया। सांसद रॉय ने मीडिया को बताया, उसे पास के अस्पताल ले जाया गया और डॉक्टरों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।' पुलिस ने कहा कि प्रथम दृष्टया पता चलता है कि यह आत्महत्या का मामला है और उसके परिवार के सदस्यों ने भी पुलिस को बताया कि वह वीडियो गेम खेलने के लिए मोबाइल फोन नहीं मिलने के कारण अपनी मां से नाराज था। भाजपा सांसद राजदीप रॉय ने कहा, उसकी मां मेरी बेटी के साथ कुछ किराने का सामान खरीदने गई और उससे पहले, लड़के ने उससे अपना मोबाइल फोन मांगा जिसे उसने देने से इनकार कर दिया। वह करीब 40 मिनट तक बाहर रहीं। जब वापस लौटीं तो पाया कि कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। हालांकि, राजदीप रॉय ने बच्चे की मौत के कारण पर संदेह व्यक्त किया। हालांकि प्रारंभिक जांच से पता चल रहा है कि यह आत्महत्या का मामला हो सकता है, लेकिन मैं इसके बारे में निश्चित नहीं हूं। मैंने जिले के शीर्ष पुलिस अधिकारियों से बात की है और उनसे मामले की गहन जांच करने को कहा है।

छात्र ने ब्लैकबोर्ड पर लिखा जय श्रीराम, टीचर ने कर दी बेरहमी से पिटाई

जम्मू ।जम्मू के कठुआ में एक छात्र ने ब्लेक बोर्ड पर जय श्रीराम लिख दिया तो शिक्षक द्वारा उसकी इतनी पिटाई कर दी कि उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। गौरतलब है कि मुजफ्फरनगर के निजी स्कूल में एक बच्चे की पिटाई का मामला अभी शांत नहीं हुआ था कि जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के एक सरकारी अपर सेकेंडरी स्कूल से नया मामला सामने आ गया। दरअसल कठुआ जिले के बनी इलाके में एक प्रिंसिपल और एक शिक्षक पर 10वीं कक्षा के एक छात्र को ब्लैक बोर्ड पर 'जय श्री राम' लिखने के लिए शारीरिक दंड देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार की है और एफआईआर दर्ज कर ली गई है। छात्र को इस तरह पीटा गया कि उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। हालांकि पुलिस ने आरोपी स्कूल शिक्षक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक प्रिंसिपल पर भी किशोर छात्र के साथ मारपीट करने का आरोप है और वह फरार है। उन्होंने बताया कि पीड़ित छात्र का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना की खबर फैलते ही बनी शहर में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन हुआ। आरोपियों की पहचान स्कूल के प्रिंसिपल मोहम्मद हाफिज और लेक्चरर फारूक अहमद के रूप में हुई है। दोनों पर आईपीसी की धारा 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाना), 342 (गलत तरीके से कैद करना), 504 (जानबूझकर अपमान करना) और 506 (आपराधिक धमकी), और किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम की धारा 75 (बच्चे के प्रति क्रूरता) के तहत मामला दर्ज किया गया है। कठुआ के उपायुक्त राकेश मिन्हास ने घटना की जांच के लिए तीन-सदस्यीय समिति का गठन किया है। पुलिस ने कहा कि 25 अगस्त को कुलदीप सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके बेटे को स्कूल के शिक्षक फारूक अहमद और स्कूल के प्रधानाचार्य मोहम्मद हाफिज ने पीटा था। किशोर न्याय अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत पुलिस थाने बनी में मामला दर्ज किया गया और स्थानीय थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम ने स्कूल परिसर का दौरा किया और शिक्षक को पकड़ लिया। एफआईआर में कहा गया है कि 'बच्चे ने बोर्ड पर जय श्री राम लिखा था। जब फारूक क्लास में आया और उसने ये देखा तो उसने बाकी स्टूडेंट्स के सामने ही बच्चे को क्लास से बाहर ले गया और बुरी तरह पीटा। फिर वह लड़के को प्रिंसिपल के कमरे में ले गया और दोनों ने कमरे को बंद कर दिया और बच्चे की पिटाई की।

दिल्ली में उमस से परेशानी, तो पहाड़ी इलाकों में हो रही मूसलाधार बारिश

नई दिल्ली ।एक ओर जहां दिल्ली में उमस से लोग परेशान हो रहे हैं, वहीं पहाड़ी इलाकों में मूसलाधार बारिश के कारण लोगों का जीना मुहाल हो रहा है। मौसम इस समय अजीब खेल कर रहा है। कई जगह की नदियां उफान पर हैं तो वहीं दिल्ली और आसपास के इलाकों में लोग उमस से जूझ रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को असम और मेघालय के साथ अरुणाचल प्रदेश में मूसलाधार वर्षा की संभावना है। वहीं उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, गोवा, तमिलनाडु और पुदुच्चेरी में भी अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि जम्मू-कश्मीर, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, तटीय आंध्र और तमिलनाडु में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं अरब सागर में हवाओं की तेज गति की वजह से मछुआरों के लिए भी अलर्ट जारी किया गया है और उन्हें गहरे समंदर में जाने से सावधान किया गया है। इधर राजधानी दिल्ली को फिलहाल उमस से राहत मिलने की संभावना नजर नहीं आ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक अब इस महीने बारिश की संभावना बहुत कम ही है। हालांकि दिल्ली और आसपास के इलाकों में बादल छाए रहेंगे। हवा की तेज गति गरमी से थोड़ी राहत जरूर दिलाएगी। 15 सितंबर तक दिल्ली का मौसम शुष्क रह सकता है। बीच-बीच में छिटपुट बूंदाबांदी से थोड़ी राहत मिल सकती है। यूपी में बीते दोनों दिनों से कई जगहों पर भारी वर्षा हुई। हालांकि मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार दिनों तक भारी बारिश के आसार नहीं है। मॉनसून अब कम से कम एक सप्ताह का ब्रेक ले रहा है।

तीन दिन के लिए दिल्लीवासियों को झेलनी होगी लॉकडाउन जैसी परेशानियां

नई दिल्ली। जी20 बैठक को लेकर दिल्लीवासियों को तीन दिनों तक लाकडाउन जैसी परिस्थितियों से दो चार होना पड़ेगा। यहां पर 8 से 10 सितंबर के बीच कई तरह के प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। स्कूल-कॉलेज और दफ्तर जहां बंद रहेंगे तो वहीं कई सड़कों पर आवाजाही पर भी रोक रहेगी। इन प्रतिबंधों को लेकर खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के लोगों से माफी मांगी है और कहा है कि मेहमान आने वाले हैं। पीएम ने कहा कि अगले महीने होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के कारण दिल्ली के लोगों को असुविधा हो सकती है। इसके बावजूद इस कार्यक्रम को सफल बनाने में वे मदद करें। यूं तो दिल्ली में वीवीआईपी मूवमेंट आम बात है। जी-20 सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले 19 देश और यूरोपियन यूनियन के राष्ट्राध्यक्ष शामिल होने आ रहे हैं और इस वजह से अभूतपूर्व इंतजाम किए जाएंगे। दिल्ली में इन प्रतिबंधों की तुलना लॉकडाउन से भी की जा रही है। ऐसे में लोगों के मन इसको लेकर कई सवाल पैदा हो रहे हैं। तीन ?दिनों तक दिल्ली में कई सड़कों पर यातायात बाधित रहेगा। इसलिए कर्मचारियों को असुविधा से बचाने के लिए दिल्ली और केंद्र सरकार ने अपने सभी दफ्तरों को बंद रखने का आदेश दे दिया है।

वहीं निजी दफ्तरों को भी बंद रखने को कहा गया है। कुछ संस्थान वर्क फॉम होम मोड में काम करेंगे। दिल्ली के सभी प्राइवेट और सरकारी स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। एमसीडी के स्कूल भी बंद रहेंगे। 8 सितंबर को शुक्रवार है, 9 और 10 को शनिवार-रविवार रहेगा। रविवार को तो वैसे भी स्कूल बंद ही रहता है। ऐसे में शुक्रवार और शनिवार को भी छुट्टी होगी। नई दिल्ली क्षेत्र में 8 से 10 सितंबर के बीच केवल आवश्यक सेवा वाले वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। मेडिकल इमर्जेंसी को छोड़कर अन्य किसी भी वजह से निकल नहीं सकते हैं। एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन जाने के लिए निर्धारित रास्तों का इस्तेमाल किया जा सकता है। तीन दिनों में दिल्ली में आवाजाही के लिए मेट्रो ही सबसे बेहतर विकल्प होने वाला है। हालांकि, कुछ मेट्रो स्टेशन भी बंद रह सकते हैं। नई दिल्ली जिले में सभी बैंक, वित्तीय संस्थान, दुकानें और मॉल्स को बंद रखने का आदेश दिया गया है।

राहुल गांधी ने एमएसएमई संरक्षण के लिए एकल जीएसटी को बताया अनिवार्य

-फैक्ट्री पहुंचकर अपने हाथों से खुद बनाई चॉकलेट, वीडियो किया शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एमएसएमई संरक्षण के लिए औद्योगिक केंद्र व एकल जीएसटी दर को अनिवार्य बताया है। उन्होंने रविवार को ऊटी में मॉडीज चॉकलेट्स के अपने दौरे का एक वीडियो साझा किया और कहा कि यह भारत के एमएसएमई की महान क्षमता और औद्योगिक केंद्र बनाने व एकल जीएसटी दर को लागू करने का एक उल्लेखनीय प्रमाण है। इस दौरान राहुल गांधी ने अपने हाथों से चॉकलेट भी बनाई, जिसका वीडियो भी उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस दौरान राहुल ने कहा कि हमें एमएसएमई की सुरक्षा के लिए खड़े होना चाहिए, जो भारत के विकास इंजन को चलाने की सामर्थ्य रखते हैं। एक ट्वीट में राहुल गांधी ने कहा कि 70 महिलाओं की टीम ऊटी की प्रसिद्ध चॉकलेट फैक्ट्रियों में से एक को चलाती है। मॉडीज़ चॉकलेट की कहानी भारत के एमएसएमई की महान क्षमता का एक उल्लेखनीय प्रमाण है। उन्होंने चॉकलेट फैक्ट्री की अपनी यात्रा का लिंक भी साझा किया। कांग्रेस नेता ने कहा कि सुरम्य नीलगिरी के बीच विश्व स्तर पर प्रसिद्ध भारतीय उद्योग हैं, ऊटी के चॉकलेट निर्माता। हाल ही में वायनाड जाते समय, मुझे ऊटी के सबसे प्रसिद्ध ब्रांडों में से एक, मोडीज़ चॉकलेट्स का दौरा करने का आनंददायक अनुभव हुआ। इस छोटे व्यवसाय के पीछे दंपति मुरलीधर राव और

स्वाति की उद्यमशीलता प्रेरणादायक है।

राहुल गांधी ने कहा कि सभी महिलाओं की टीम भी उतनी ही उल्लेखनीय है, जो उनके साथ काम करती है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि हालांकि, पूरे भारत में अनगिनत अन्य छोटे और मध्यम व्यवसायों की तरह, मॉडीज़ भी गब्बर सिंह टैक्स के बोझ से जूझ रहा है। ऐसे परिदृश्य में ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार एमएसएमई क्षेत्र को नुकसान पहुंचाकर बड़ी कंपनियों का पक्ष लेती है, यह उन महिलाओं जैसे कड़ी मेहनत करने वाले भारतीयों का धैर्य है, जिनसे मैं यहां मिला, जो भारत के विकास को बनाए रखता है। राहुल ने कहा, औद्योगिक केंद्र बनाना और एकल जीएसटी दर को लागू करना एमएसएमई को बचाने के लिए अनिवार्य उपाय है, जो सामूहिक रूप से भारत के विकास इंजन को चलाने की शक्ति रखते हैं।

लाल डायरी है तो सामने लाएं, कपिल सिब्बल ने भाजपा को दी चुनौती

नई दिल्ली । राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भाजपा को चुनौती दी है कि यदि वास्तव में लाल डायरी यदि है तो वह सामने लेकर आए। गौरतलब है कि राजस्थान में कांग्रेस की गहलोत सरकार पर बीते दिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जमकर हमला बोला। शाह ने कांग्रेस से लाल डायरी का राज बताने को कहा। शाह के बयान पर अब राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने निशाना साधा है। कपिल सिब्बल ने शाह के बयान पर कई सवाल पूछे हैं। सिब्बल ने कहा अमित शाह जी, क्या आपके पास लाल डायरी है। अगर आपके पास लाल डायरी है तो क्यों नहीं सबके सामने ला रहे हैं। क्या आप देश की जनता को यह नहीं बताएंगे कि भ्रष्टाचार कहां और कैसे हुआ है? आपके पास लाल डायरी नहीं है, आप लाल डायरी पेश नहीं करते हैं और फिर भी आप बिना कुछ जाने आरोप लगाते हैं। कपिल सिब्बल ने आगे कहा कि अगर असल में शाह के पास लाल डायरी होती तो वो सामने लाते। उन्होंने कहा कि गृह मंत्री सिर्फ आरोप लगाना जानते हैं, वो सबूत नहीं दे रहे। शाह ने बीते दिन राजस्थान दौरे पर कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार पर कई हमले किए थे। उन्होंने कहा था कि डायरी ऊपर से लाल है पर अंदर इसमें काले कारनामे छिपे हैं। उन्होंने कहा कि इस डायरी में कांग्रेस के कई राज छुपे हैं और कई करोड़ों के घोटालों का राज छुपा हुआ है।

एनसीपी ने किया शक्तिप्रदर्शन, अजित समर्थकों ने शरद के गढ़ में निकाली रैली

-चाचा और भतीजे के बीच चल रहा सियासी खेल, समर्थकों ने किया भव्य स्वागत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में इस समय भूचाल आया हुआ है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में चाचा और भतीजे यानी शरद पवार ओर अजित पवार के बीच गजब का सियासी खेल खेला जा रहा है। एनसीपी भी अब शक्तिप्रदर्शन में जुट गई है। हालांकि कभी दोनों नेताओं की मुलाकात और बयानों से झलकता है कि दोनों में कोई सियासी अदावत नहीं है तो कभी ऐसा लगता है कि दोनों एक-दूसरे के खिलाफ ताकत की जोर आजमाइश कर रहे हैं। इससे मराठी लोग असमंजस में है। एक दिन पहले ही शरद पवार ने अजित पवार के समर्थकों के गढ़ कोल्हापुर में बागी भतीजे के खिलाफ यह कहते हुए हमला बोला कि उन्हें पार्टी में लौटने का दूसरा मौका नहीं मिलेगा, तो अजित पवार ने उसके अगले ही दिन अपने विधानसभा क्षेत्र और शरद पवार का सियासी गढ़ रहे बारामती में एक बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया। चाचा संग सियासी रास्ते अलग करने और शिवसेना-भाजपा गठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री बनने के बाद अजित पवार पहली बार बारामती दौरे पर पहुंचे थे, जहां उनके समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। उन पर फूलों की वर्षा की गई और उन्हें बड़ी माला पहनाई गई।

रैली से पहले अजित पवार ने चार घंटे का लंबा रोड शो कर अपनी ताकत दिखाने और यह संदेश देने की कोशिश की कि चाचा के गढ़ वाले बारामती में पार्टी कार्यकर्ता उनके साथ हैं। अजित पवार के साथ पत्नी सुनेत्रा और बेटा पार्थ भी थे। बारामती में लंबे राजनीतिक कार्यक्रम के बीच अजित पवार ने एक बार भी चाचा के खिलाफ कुछ नहीं कहा। हालांकि, उन्होंने अपने समर्थकों को उनके कार्यों के बारे में समझाने की कोशिश की और कहा, कभी-कभी विकास के लिए अजीब फैसले लेने पड़ते हैं। जहां भावनाएं होती हैं, वहां विश्वास भी होता है, लेकिन कुछ फैसले मजबूरी में लिए जाते हैं। लोग हमारी आलोचना करेंगे लेकिन युवा पीढ़ी जानती है कि यह कदम सिर्फ बारामती वालों के लिए उठाए गए हैं।

अजित ने यह भी बताया कि एनसीपी ने कैसे मुख्यमंत्री पद का दावा करने का प्रयास नहीं किया, जबकि 2004 और 2019 के चुनावों के बाद पार्टी के पास दो-दो मौके थे। अपनी पिछली रैलियों में नरेंद्र मोदी की आलोचना करने वाले अजित पवार ने अब प्रधानमंत्री के बारे में बात करके भाजपा के साथ जुड़ने के अपने फैसले को सही ठहराने का प्रयास किया। उन्होंने कहा ?कि पीएम मोदी असली आदर्श हैं। वह कड़ी मेहनत करते हैं। यहां तक कि त्योहारों के दौरान भी वह घर पर नहीं रहते हैं बल्कि सीमा पर जाकर सैनिकों के साथ त्योहार मनाते हैं। इस बीच, एनसीपी के एक नेता ने कहा कि हालिया घटनाएं इस बात का संकेत हैं कि अजित और शरद पवार दोनों ने इस तथ्य को स्वीकार कर लिया है कि उनके और पार्टी के दोनों गुटों के बीच सुलह संभव नहीं है।

मोदी सरकार नहीं चाहती कि बिहार में जातिगत सर्वेक्षण हों : लालू यादव

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने कहा है कि बिहार में मोदी सरकार नहीं चाहती कि जातिगत सर्वेक्षण होना चाहिए। उन्होंने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर बिहार में हुए जातिगत सर्वेक्षण के प्रति प्रतिकूल रवैया अपनाने का आरोप लगाया। यहां एक पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए प्रसाद ने दावा किया कि पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति का उत्पीड़न जारी है क्योंकि सामंती लक्षण इतनी आसानी से नहीं जाते। लालू प्रसाद ने पत्रकार मनोज मित्ता की पुस्तक कास्ट प्राइडः बैटल्स फॉर इक्वेलिटी इन हिंदू इंडिया का यहां विमोचन किया। इस दौरान मोदी या भाजपा का नाम लिए बिना उन पर कटाक्ष करते हुए यादव ने कहा कि इस देश के प्रधानमंत्री जातियों से व्यथित लगते हैं। वह अपने भाषणों में जाति का उल्लेख करते रहते हैं, शायद उन्हें लगता है कि यह सामाजिक वास्तविकता उन्हें शांति का आनंद सोचते हैं तो वह सही हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने उनके सहयोगी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा आदेशित जाति सर्वेक्षण के प्रति घृणा का प्रदर्शन किया क्योंकि जब उच्चतम न्यायालय के समक्ष इसे चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई चल रही थी तो भारत के सॉलिसिटर जनरल ने दलीलें दीं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जाति सर्वेक्षण क्यों नहीं होना चाहिए? वास्तविक आंकड़े जाने बिना, हम अनुमानों के आधार पर कार्रवाई करते हैं, और कमजोर वर्गों के लिए आवंटन अधिकार की जगह उपकार बन जाता है।

अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल ने किया सनातन धर्म का समर्थन, कहा- हम हिंदू हैं

अयोध्या (एजेंसी)। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी और सपा की वरिष्ठ नेता डिंपल यादव ने सनातन धर्म का समर्थन किया है। डिंपल ने कहा कि हम लोग हिंदू हैं, हिंदू धर्म सनातन धर्म है। सनातन धर्म में कोई दुश्मन नहीं होता। डिंपल यादव के इस बयान पर अब अयोध्या के संतों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा है कि डिंपल यादव ने जो कहा है उसका मैं साधुवाद देता हूं। जितने भी धर्म हैं वह सनातन धर्म से निकले हैं। डिंपल यादव की बात पर उनकी पार्टी के अन्य नेताओं को भी विचार करना चाहिए। सत्येंद्र दास वेदांती ने कहा कि डिंपल यादव देर से आई लेकिन दुरुस्त आईं। संत वेदांती ने कहा कि डिंपल यादव को अपनी पार्टी के उन नेताओं को भी यह बात बतानी चाहिए जो रामचरितमानस पर अंगुली उठाते हैं, सनातन धर्म, हिंदू धर्म पर जो कुठाराघात करते हैं। डिंपल यादव को ऐसे नेताओं को समझाना चाहिए। दूसरी ओर, बीजेपी ने डिंपल के इस बयान पर कहा है कि डिंपल सनातन धर्म में पैदा हुई हैं। वो हिंदू हैं, हिंदुत्व उनका धर्म है। केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल ने कहा कि डिंपल ने जो भी कहा है, जो भी स्वीकार किया है उसके लिए उन्हें धन्यवाद। लेकिन, जो सनातनी होते हैं, वो कार सेवकों पर गोली नहीं चलाते।

डिंपल के बयान पर समाजवादी पार्टी ने कहा कि वह उनके बयान से पूरी तरह सहमत है। पार्टी के प्रवक्ता दीपक रंजन ने कहा कि यह बात सही है कि अगर हम हिंदू धर्म में पैदा हुए हैं तो हम हिंदू हैं। हमें बीजेपी से सर्टिफिकेट लेने की जरूरत नहीं है। बीजेपी सोचती है हिंदू धर्म का उन्होंने पेटेंट करा रखा है। गौरतलब है कि सनातन धर्म और रामचरितमानस को लेकर उत्तर प्रदेश में बवाल हो चुका है। इसी साल समाजवादी पार्टी के एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस की चौपाइयों को बैन करने की मांग की थी। इसके बाद अखिल भारतीय ओबीसी महासभा ने वृंदावन योजना तिराहे पर रामचरितमानस के पन्नों की प्रतियां जलाईं थीं। जिसके बाद पुलिस में मामले भी दर्ज हुए थे।

संगमनगरी में जल ज्ञान यात्रा पर हंण्डिया तहसीलदार आकांक्षा मिश्रा एव जिला समन्वयक अधिकारी ने स्कूली बच्चों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय, प्रयागराज।

संगमनगरी में विकास की नई गाथा लिख रही पीएम मोदी की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना को सरकारी स्कूल के बच्चों ने करीब से जाना पहली बार प्रयागराज में आयोजित जल ज्ञान यात्रा में गांव - गांव, घर -घर तक पहुंच रहे स्वच्छ पेयजल की प्रक्रिया को स्कूली बच्चों ने समझा पानी पहुंचाने के लिये तैयार किये गए संसाधनों को देखा पीने के स्वच्छ पानी से लाभार्थियों को मिल रहे लाभ की जानकारी मिलने पर वो आश्चर्यचकित रह गये। इन बच्चों के लिए जल ज्ञान यात्रा यादगार बन गई।

प्रयागराज के प्राथमिक विद्यालय के स्कूली बच्चों को जल जीवन मिशन की हर घर जल योजना से जुड़ी जानकारियां इस शैक्षिक भ्रमण के दौरान दी गई नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग की ओर से आयोजित 'जल ज्ञान यात्रा' में छात्र-छात्राओं ने उत्सुकता के साथ भाग लिया हाथों में जल संरक्षण से जुड़े स्लोगन लिए बच्चे मानिकपुर ग्राम पंचायत पर बने ओएचटी पर पहुंचे जहां उनको नल से स्वच्छ पेयजल पहुंचाने की पूरी प्रक्रिया को समझाया गया शनिवार को तहसीलदार हंण्डिया अंकाक्षा मिश्रा, जिला समन्वयक अशविनी कुमार श्रीवास्तव ने जल ज्ञान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर उसका शुभारंभ किया विभाग के अधिकारियों और कर्मचरियों ने एक-एक कर बच्चों को परियोजना, पाइप वॉटर सप्लाई स्कीम की जानकारी दी जल संरक्षण, जल प्रबंधन, जल संचयन के बारे में बताया प्रयागराज के 10 प्राथमिक स्कूल के 100 छात्र-छात्राएं व 20 अध्यापक जल जीवन मिशन की परियोजनाओं के शैक्षिक भ्रमण का हिस्सा बने

भावी पीढ़ी बनी मिशन में सारथी

राज्य सरकार की अनूठी पहल पर देश में पहली बार भावी पीढ़ी को जल जीवन मिशन की परियोजनाओं का सहभागी बनाने के लिए उत्तर प्रदेश में "जल ज्ञान यात्रा" का शुभारंभ किया गया है इस यात्रा में छात्र-छात्राओं के सहभागी बनने से वो मिशन के प्रति लोगों को जागरूक करने में सारथी बनेंगें बच्चों को यहां भूजल उपचार, ग्रे वॉटर का उपचार, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और अन्य संबंधित मुद्दों की जानकारी दी गई।

नल से स्वच्छ पेयजल पीकर बोले छात्र आरओ से भी स्वच्छ है पानी

जल ज्ञान यात्रा के दौरान बच्चों ने नल कनेक्शन प्राप्त करने वाले ग्रामीण परिवारों से बातचीत कर उनके सुखद अनुभवों को जाना एफटीके प्रशिक्षित महिलाओं और तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके युवाओं से भी बातचीत की यहां उन्होंने नल की टोंटी खोल स्वच्छ पेयजल पीकर बोले की ये तो आरओ से भी साफ पानी है।

राजस्थान में शेरों को लाने के लिए केन्द्र सरकार को चिट्ठी लिखी जाएगी

- राज्य सरकार की नीतियों से प्रदेश में 100 से अधिक हो चुकी है बाघों की संख्या

जयपुर,।(एजेंसी)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान में वन एवं वन्यजीव संरक्षण को लेकर सराहनीय फैसले लिए जा रहे हैं। राज्य सरकार की नीतियों से आज प्रदेश में बाघों की संख्या 100 से अधिक हो चुकी है। गहलोत हाल ही में मुख्यमंत्री निवास पर राज्य वन्यजीव मंडल की 14वीं बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट, प्रोजेक्ट टाईगर आदि के माध्यम से देश में पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहन दिया। प्रोजेक्ट टाईगर में जोधपुर के कैलाश सांखला को पहला प्रोजेक्ट निदेशक नियुक्त किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी ने इस दिशा में एन्वायरमेंटल प्रोटेक्शन एक्ट, गंगा एक्शन प्लान एवं वेस्टलैण्ड डवलपमेंट बोर्ड जैसे नवाचार किए। पूर्ववर्ती केन्द्र सरकार नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल एक्ट लेकर आई। इसी क्रम में हमारी सरकार भी राज्य के वन एवं वन्य जीवों को संरक्षित करने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पहली बार इसके लिए बजट में पर्याप्त प्रावधान किया गया है। राज्य के 6 टाईगर रिजर्व में से 3 वर्तमान सरकार के कार्यकाल में बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 10 हजार हेक्टेयर से अधिक का ग्रासलैण्ड विकसित किया जा रहा है। विभिन्न टाईगर रिजर्व से 741 परिवारों का पुनर्वास किया गया है, जिससे मैन-वाइल्ड टकराव में कमी आई है। प्रोजेक्ट गोडावण के तहत इन्क्यूबेशन सेंटर में आर्टिफिशियल हेचिंग से गोडावण के अंडों से निकले बच्चों की दूसरी पीढ़ी के बच्चे भी हो चुके हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य जीव-जन्तु कल्याण बोर्ड का नाम अमृता देवी के नाम से करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अमृता देवी का बलिदान सभी को पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा देता है। साथ ही गहलोत ने कहा कि प्रदेश में शेरों को लाने के लिए केन्द्र सरकार को चिट्ठी लिखी जाएगी। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में सोलर पंप लगाकर वनों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था, वन्यजीवों हेतु कॉरिडोर्स के निर्माण, 18 नए संरक्षित

क्षेत्रों का गठन, विशेष बाघ संरक्षण बल की स्थापना जैसे निर्णय लिए गए हैं। 2018 की तुलना में संरक्षित क्षेत्रों का क्षेत्रफल 11243 वर्ग किमी से बढ़कर 13595 वर्ग किमी हो गया है। बैठक में बताया गया कि मुकुन्दरा, सरिस्का व रणथम्भौर बाघ आरक्षिति के कोर एवं बफर क्षेत्र के विस्तार हेतु राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण से स्वीकृतियां प्राप्त की गई है। साथ ही कुम्भलगढ़ टाईगर रिजर्व के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

रूस में यूक्रेनी ड्रोन के हमले से एक की मौत, मॉस्को के तीन एयरपोर्ट बंद

मॉस्को । रूस में यूक्रेन ने कई ड्रोन हमले किए हैं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई है। इधर मास्को के तीन प्रमुख एयर पोर्ट को बंद कर दिया गया है। यहां बढ़ते हवाई हमलों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने जानकारी देते हुए बताया की वायु रक्षा प्रणालियों ने क्रेमलिन से लगभग 50 किमी पश्चिम में मॉस्को क्षेत्र के इस्तरा जिले में यूक्रेन के ड्रोन को मार गिराया है। मिल जानकारी के अनुसार शेरेमेतयेवो, डोमोडेडोवो और वनुकोवो हवाईअड्डों ने कुछ घंटों के लिए उड़ानें निलंबित कर दीं। क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर कहा कि रूस के दक्षिण-पश्चिम में यूक्रेन की सीमा से लगे बेलगोरोड क्षेत्र में ड्रोन के छर्रे लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं यूक्रेन की गोलाबारी में उराजोवो गांव में छह लोग घायल हो गए और 16 घर पूकी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूस के पश्चिम में यूक्रेन की सीमा से लगे ब्रांस्क क्षेत्र में रूसी वायु सेना ने एक ड्रोन को मार गिराया। ब्रांस्क क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज ने कहा कि यूक्रेन की सेना ने सीमा के पास किरिलोव्का गांव पर ताबड़तोड़ गोलाबारी की, जिससे चार घर क्षतिग्रस्त हो गए। किसी भी घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। कथित हमलों पर यूक्रेन की ओर से कोई टिप्पणी नहीं आई है। कीव शायद ही कभी सार्वजनिक रूप से रूस के अंदर हमलों की जिम्मेदारी लेता है। दक्षिणी रूस में सीमा पार से गोलाबारी और ड्रोन हमले कई महीनों से अक्सर होते आ रहे हैं, लेकिन मॉस्को को निशाना बनाकर ड्रोन हमले हाल ही में किए हैं।

नार्थ कोरिया ने खोली बॉर्डर, कोरोना के कारण 2020 से बंद था आनजाना

सियोल । उत्तर कोरिया ने कोरोना महामारी के कारण बंद रखी गई बॉर्डर को फिलहाल खोल दिया है। गौरतलब है कि नार्थ कोरिया ने साल 2020 से बॉर्डर को बंद कर रखा था। मिली जानकारी के अनुसार विदेश में रहने वाले नागरिकों को देश में फिर से प्रवेश करने की अनुमति दी गई है। उत्तर कोरिया ने कोरोना महामारी के दौरान इस बीमारी से उबरने के लिए कई सख्त कानून लगाया था जिसमें से बॉर्डर सील करना एक था। राज्य आपातकालीन महामारी रोकथाम मुख्यालय ने घोषणा की है कि विदेश में नागरिकों को घर लौटने की अनुमति दी गई है। नॉर्थ कोरिया द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशों से लौटे गए सभी लोगों को एक सप्ताह के लिए संगरोध वार्डों में उचित चिकित्सा निगरानी में रखा जाएगा। जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि यह निर्णय दुनिया भर में महामारी की स्थिति में कमी के संदर्भ में किया गया था। उत्तर कोरिया ने कोरोनोवायरस महामारी के कारण 2020 की शुरुआत में अपनी सीमाएं बंद कर दीं, लेकिन देश फिर से बॉर्डर को खोलने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वहीं चीनी और रूसी अधिकारियों ने पिछले महीने प्योंगयांग में एक सैन्य परेड में भाग लिया था जिनके बारे में बताया जा रहा है कि कोरोना महामारी के बाद देश का दौरा करने वाले यह पहले विदेशी गणमान्य व्यक्ति थे। पिछले हफ्ते देश के एथलीटों के एक प्रतिनिधिमंडल को कजाकिस्तान में एक ताइक्वांडो प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति दी गई थी, जबकि राज्य संचालित एयर कोरियो ने तीन वर्षों में अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ान भरी थी। एयर कोरियो की यह उड़ान मंगलवार सुबह बीजिंग के कैपिटल हवाई अड्डे पर पहुंची, जहां केवल दो उत्तर कोरियाई लोगों को देखा था जो पूर्व नेताओं किम इल सुंग और किम जोंग इल के चेहरों वाले अपने स्पेशल बैज से पहचाने जा सकते थे। जिन्हें विमान के आगमन द्वार से आते हुए देखा जा सकता था।

यूएस आर्मी का हेलिकॉप्टर ऑस्ट्रेलिया में क्रैश, 20 अमेरिकी नौसैनिक थे सवार

डार्विन । यूएस आर्मी का एक हे?लिकॉप्टर आस्ट्रे?लिया में क्रैश हो गया है। उसमें बीस अमे?रिकी नौसै?निक सवार थे। हालां?कि बचाव कार्य शुरु ?करने के दौरान कई सै?निक लापता बताए गए। ?मिली जानकारी के अनुसार यह हेलिकॉप्टर रविवार को ऑस्ट्रेलिया में चल रहे सैन्य अभ्यास के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गया। यह घटना डार्विन के उत्तर में तिवी द्वीप समूह पर घटी। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा प्रवक्ता के हवाले से मिली एक रिपोर्ट में कहा गया कि यह दुर्घटना एक्सरसाइज प्रीडेटर्स रन-2023 के दौरान हुई। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस, तिमोर-लेस्ते और इंडोनेशिया के 2,500 से अधिक सैनिक तिवी द्वीप समूह पर इस अभ्यास में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं। हालां?कि स्थानीय मीडिया में इस हादसे के बारे में शुरुआती रिपोर्टों में कहा गया कि इमरजेंसी सेवाओं को आज सुबह स्थानीय समय के मुताबिक 9.43 बजे हेलिकॉप्टर क्रैश के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान सबसे ज्यादा ध्यान हादसे के शिकार लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर रहता है। हालां?कि अभी कुछ सैनिक लापता हैं। जब?कि दुर्घटनास्थल से कई नौसैनिकों को बचाया गया है।

ब्रिटिश म्यूजियम से चोरी गई बेशकीमती कलाकृतियां ऑनलाइन मॉर्केट में मौजूद

-फिर से हासिल करने की हो रही कोशिश, वापसी के लिए लगाई गुहार

लंदन । लंदन के ब्रिटिश म्यूजियम से चोरी गई बेशकीमती कलाकृ?तियां ऑनलाइन मार्केट में मौजूद है। उनको वापस करने की गुहार लगाई जा रही है। गौरतलब है कि म्यूजियम से सोने के गहनों और रत्नों सहित लगभग 2,000 कलाकृतियां चोरी हो गई हैं। जिनको फिर से हासिल करने की कोशिश पहले से ही चल रही है। बताया जा रहा है कि लाखों पाउंड कीमत की लगभग 2,000 कलाकृतियों को ब्रिटिश म्यूजियम से उसके एक वरिष्ठ क्यूरेटर ने ही चुरा लिया था। म्यूजियम ने पिछले हफ्ते कहा था कि उसके संग्रह से कलाकृतिया चोरी हो गईं थीं और स्टाफ के एक अनाम सदस्य को बर्खास्त कर दिया गया था। मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटिश म्यूजियम के अध्यक्ष जॉर्ज ओसबोर्न ने कहा कि संग्रहालय ने कुछ ऐसी चीजों को फिर हासिल करना शुरू कर दिया है, जो उससे चुरा ली गईं थीं और ऑनलाइन बेची गई थीं। ओसबोर्न की टिप्पणियां उस सयम आई हैं जब संग्रहालय उन चेतावनियों पर ठीक से ध्यान देने में विफल रहा कि उसके संग्रह की वस्तुएं कथित तौर पर ऑनलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध हो रही थीं। इससे पहले चोरी किए गए सामानों की संख्या साफ नहीं थी। ब्रिटिश म्यूजियम ने कहा था कि गायब सामानों में से ज्यादातर एक स्टोर रूम में रखे गए छोटे टुकड़े थे। इनमें 15वीं शताब्दी ईसा पूर्व से 19वीं शताब्दी ईस्वी तक के सोने के गहने, कीमती पत्थरों के रत्न और कांच के सामान शामिल हैं। इनमें से कोई भी सामान हाल ही में सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित नहीं किया गया था। म्यूजियम के अध्यक्ष ने कहा कि लगभग 2,000 कलाकृतियां गायब हो गईं, जिनमें से कुछ पहले ही बरामद की जा चुकी हैं। गौरतलब है कि ब्रिटिश म्यूजियम दुनिया के सबसे मशहूर और प्रतिष्ठित संग्रहालयों में से एक है, जिसकी स्थापना 1753 में हुई थी। रोसेटा स्टोन और पार्थेनन मूर्तियों जैसी महान ऐतिहासिक कलाकृतियों का प्रदर्शन नियमित रूप से दुनिया भर से यहां मेहमानों को आकर्षित करता है। यह घोटाला ब्रिटिश म्यूजियम के लिए बेहद शर्मनाक साबित हुआ है।

फ्लोरिडा के स्टोर में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या

न्यूयॉर्क। फ्लोरिडा के जैक्सनविले में एक बंदूकधारी ने नस्लीय रूप से प्रेरित हमले में तीन लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी और फिर खुद को मार डाला। शहर के शेरिफ ने यह जानकारी दी। एक रिपोर्ट के अनुसार श्वेत बताए जा रहे और लगभग 20 साल के आसपास के व्यक्ति ने एक जनरल स्टोर में घुसकर गोलीबारी शुरू कर दी। शेरिफ टी.के. वाटर्स ने कहा कि बंदूकधारी ने दो पुरुषों और एक महिला की हत्या की। मेयर डोना डीगन ने कहा कि यह नस्लवादी घृणा से प्रेरित अपराध है। रिपोर्ट के अनुसार शेरिफ ने कहा कि शूटर, जिसका अभी तक आधिकारिक तौर पर नाम नहीं बताया गया है, के पास एक हल्की अर्ध-स्वचालित राइफल और एक हैंडगन था। माना जाता है कि उसने अकेले ही इस घटना को अंजाम दिया। एफबीआई ने गोलीबारी की जांच शुरू कर दी है, इसे वह घृणा अपराध मान रही है। जैक्सनविले की मेयर डोना डीगन ने स्थानीय टीवी चैनल डब्ल्यूजेएक्सटी से कहा कि सामूहिक गोलीबारी को सहना वाकई मुश्किल है। बताया जा रहा है कि इस साल अब तक अमेरिका में गोलीबारी से 28 हजार से अधिक मौतें हुई हैं।

सियोल में जापान के खिलाफ नारे लगाते हुए दक्षिण कोरियाई लोग। ये प्रदर्शन परमाणु संयंत्र से पानी छोड़े जाने को लेकर है।

बर्बादी का कारण है शी जिनपिंग, खराब फैसलों से मुश्किल में फंसा ड्रैगन

भारत का विरोधी चीन इन दिनों आर्थिक दुर्बलता से गुजर रहा है। चीन की आर्थिक हालत किसी से छुपी नहीं है। यहां जल्द ही मंदी भी पैर पसारने जा रही है। राज्य, संपत्ति और शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व गिरावट आ रही है। पूरे चीन में बेरोजगारी दर सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर है। वहीं बीते 40 वर्षों से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी मजबूत उपस्थिति को दर्ज कराने वाला चीन अब अपनी अर्थव्यवस्था को डूबने से बचाने में जुटा हुआ है।

चीनी अर्थव्यवस्था की रफ्तार सुस्त

ये समय चीन के लिए बेहद ही मुश्किल है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण यह है कि चीन की अर्थव्यवस्था बहुत धीमी गति से बढ़ रही है। चीन में मुश्किल हालात के बीच दुनिया भर के आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा कई तरह की अटकलें लगाई गई हैं। इसी बीच ग्लोबल इकॉनमी के एक्सपर्ट्स ने ये जानकारी दी है कि मंदी पूरी तरह से चीन में आई तो चीन को उससे उबरने में कई वर्षों का समय लग जाएगा। गौरतलब है कि वर्ष 1980 से 2020 तक चालीस वर्षों के दौरान में चीन की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है, जिसका गवाह पूरी दुनिया रही है।

इस दौरान चीन की अर्थव्यवस्था के बढ़ने के साथ ही चीन में कृषि सुधार हुए। औद्योगिकीकरण में बढ़ोतरी की गई। वहीं लोगों की इनकम में भी इजाफा हुआ है, जिससे चीन के करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले है। अगर मौजूदा हालात पर गौर करें तो चीन की अर्थव्यवस्था में 25 प्रतिशत तक गिरावट देखने को मिल सकती है।

रामास्वामी ने जरूरत पड़ने पर अमेरिका के उपराष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने का संकेत दिया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी से उम्मीदवारी हासिल करने की दौड़ में शामिल भारतीय-अमेरिकी विवेक रामास्वामी ने संकेत दिया है कि यदि वह उम्मीदवारी नहीं प्राप्त कर पाते हैं तो वह उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ सकते हैं। रामास्वामी की यह टिप्पणी बायोटेक उद्यमी से राजनीतिज्ञ बने रामास्वामी (38) के इस बयान के कुछ दिनों बाद आई है कि उन्हें राष्ट्रपति के अलावा किसी अन्य पद में ''रुचि नहीं'' है। रामास्वामी ने कहा कि उनका मानना है कि वह केवल राष्ट्रपति के रूप में ही ''इस देश को फिर से एकजुट'' कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि यदि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तीसरी बार उम्मीदवारी हासिल करते हैं तो वह उनके साथ उपराष्ट्रपति के रूप में काम कर सकते हैं। ब्रिटेन के 'जीबी न्यूज' ने जब रामास्वामी से पूछा कि क्या वह ''(77 वर्षीय ट्रंप के) उपराष्ट्रपति बनकर खुश होंगे'', तो उन्होंने कहा, ''देखते है, यदि ऐसा होता है तो निश्चित रूप से मैं ऐसा करने को तैयार रहूंगा।''

उन्होंने कहा कि वह नये हैं और उनकी उम्र ट्रंप से लगभग आधी है लेकिन वह उन्हें व्हाइट हाउस में अपनी सेवाएं देने के लिए कह सकते हैं। पिछले साक्षात्कारों में, रामास्वामी ने उपराष्ट्रपति बनने से इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा था कि वह देश को केवल तभी बदल सकते हैं जब वह शीर्ष पद पर काबिज होंगे। उन्होंने शनिवार को 'फॉक्स न्यूज' से कहा, ''मुझे सरकार में किसी अलग पद में कोई दिलचस्पी नहीं है। सच कहूं तो, मैं संघीय सरकार में नंबर दो या तीन बनने के बजाय निजी क्षेत्र में बदलाव लाऊंगा।'' अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवारों की पहली प्राथमिक बहस में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद विवेक रामास्वामी की लोकप्रियता रेटिंग में बढ़ोतरी हुई है।

इसके साथ ऑनलाइन तरीके से धन जुटाने की कवायद में इजाफा दिख रहा है। बहस के बाद सामने आए पहले सर्वेक्षण में कहा गया कि 504 उत्तरदाताओं में से 28 प्रतिशत ने कहा कि रामास्वामी ने सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उनके बाद 27 प्रतिशत के साथ फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और 13 प्रतिशत के साथ पेंस हैं। भारतीय अमेरिकी हेली को सात प्रतिशत वोट मिले हैं। 'फॉक्स न्यूज' के अनुसार, रामास्वामी पहले रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद की बहस के लिए गूगल पर सबसे अधिक खोजे जाने वाले 'जीओपी' उम्मीदवार रहे। उनके बाद उनकी साथी भारतीय अमेरिकी निक्की हेली थीं।

एनपीजी स्टेशन में भयंकर विस्फोट से एक की मौत, 46 घायल

बुखारेस्ट (एजेंसी)। रोमानिया की राजधानी में एक भयंकर विस्फोट की सूचना मिली है, जिसमें एक की मौत हो गई है। यह घटना बुखारेस्ट के पास क्रेवेडिया में एक लिक्विड पेट्रोलियम गैस स्टेशन पर हुइ जहां दो विस्फोटों के बाद एक व्यक्ति की मौत हो गई और 46 अन्य घायल हो गए। गंभीर रूप से घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सरकार की आपातकालीन प्रतिक्रिया इकाई के अनुसार, पहले विस्फोट के बाद, आग दो टैंकों और पास के एक घर में फैल गई, जिससे 700 मीटर के दायरे में लोगों को निकाला गया, जबकि राष्ट्रीय सड़क पर यातायात अवरुद्ध हो गया। आपातकालीन प्रतिक्रिया इकाई के प्रभारी उप आंतरिक मंत्री राएद अराफात ने संवाददाताओं को बताया कि एलपीजी स्टेशन पर शनिवार शाम को दूसरा विस्फोट हुआ, जिसमें फायर ब्रिगेड के 26 कर्मी घायल हो गए। सरकार ने कहा कि 46 घायलों में से 8 को गंभीर रूप से जलने के कारण इंटुबैट किया गया है। संकट से निपटने में शामिल राज्य एजेंसियों के साथ एक आपात बैठक के बाद प्रधानमंत्री मार्सेल सिओलाकु ने संवाददाताओं से कहा कि चार से अधिक मरीजों को निश्चित रूप से आज रात इटली और बेल्जियम के अस्पतालों में स्थानांतरित किया जाएगा।

हालांकि घटनास्थल पर करीब 25 दमकल गाड़ियां तैनात की गईं, लेकिन आग अभी तक नहीं बुझी है। अराफात ने कहा कि और विस्फोट हो सकते हैं, क्योंकि घटनास्थल पर तीसरे टैंक से खतरा है। आग इतनी भयंकर थी कि आग की लपटें आसमान छूने लगीं। धुएं का गुबार आसमान तक फैल गया। आसमान पूरी तरह से काला दिखाई दे रहा है।

इमरान की पार्टी के कई बड़े नेताओं पर देश विरोधी अभियान चलाने का का मामला दर्ज

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के कई बड़े नेताओं पर देश द्रोह का मुकदमा कायम किया गया है। जहां इमरान खान की मुसीबतें कम नहीं हो रही है, वहीं गिरफ्तारी के बाद अब उनकी पार्टी के कई बड़े नेताओं पर शिकंजा कसा जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की साइबर क्राइम सर्कल ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ एक नया मामला दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सरकारी संस्थानों के खिलाफ कथित तौर पर झूठा अभियान चलाने को लेकर पीटीआई नेताओं पर मामला दर्ज किया गया है। जिन नेताओं पर मामला दर्ज किया गया है, उनमें पूर्व वित्त मंत्री हम्माद अजहर, मुसर्रत जमशेद चीमा, नेशनल असेंबली के पूर्व डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी, पंजाब के पूर्व राज्यपाल उमर सरफराज चीमा, सीनेटर आजम स्वाति, इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) के अली जैदी और पीटीआई के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष फवाद चौधरी शामिल हैं। एफआईए अधिकारियों के अनुसार, जिन नेताओं पर केस दर्ज किया गया था उनको पिछले महीने स्पष्टीकरण के लिए बुलाया गया था, लेकिन कोई भी जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुआ।

वहीं अधिकारी का कहना है कि नेताओं ने इस संबंध में अपना जवाब भी नहीं दिया है। सबूतों और नेताओं के बयानों को देखते हुए उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। हालां?कि इन नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए टीमों का गठन किया गया है। बता दें कि लाहौर कोर कमांडर हाउस (जिन्ना हाउस) और जनरल हेडक्वार्टर (जीएचक्यू) सहित सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमलों के बाद, पीटीआई के कई नेताओं को देशद्रोह और आतंकवाद के मामलों सहित कई मामलों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच, पीटीआई के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान इस्लामाबाद की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा इस महीने की शुरुआत में तोशाखाना मामले में तीन साल जेल की सजा सुनाए जाने के बाद अटॉक जेल में बंद हैं।

अश्वेत अमेरिकियों को निशाना बनाकर की ताबड़तोड़ फायरिंग, तीन की मौत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के फ्लोरिडा में अश्वेत अमेरिकियों को निशाना बनाकर की गई गोलीबारी में 3 लोगों की जान चली गई। बताया जा रहा है कि बाद में हत्यारे ने खुद को भी गोली मार ली, जिससे उसकी मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार जैकसनविले के एक स्टोर में एक श्वेत व्यक्ति ने गोलीबारी कर तीन अश्वेत लोगों की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली। स्थानीय शेरिफ ने इस हमले को नस्लवाद से प्रेरित बताया है। शेरिफ टी के वाटर्स ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा हमलावर को अश्वेत लोगों से नफरत थी। लेकिन इस बात का कोई साक्ष्य नहीं है कि हमलावर किसी बड़े समूह का हिस्सा था। वाटर्स ने बताया कि हमलावर ने 'डॉलर जनरल स्टोर में हमला करने के लिए एक पिस्तौल और एक एआर-15 अर्द्धस्वचालित राइफल का इस्तेमाल किया। गोलीबारी दोपहर 2 बजे से ठीक पहले एडवर्ड वाटर्स यूनिवर्सिटी के पास एक डॉलर जनरल में हुई। एडवर्ड वाटर्स यूनिवर्सिटी ऐतिहासिक अश्वेत यूनिवर्सिटी है। हमलावर ने एक पत्र छोड़ा है, जिसके आधार पर जांचकर्ताओं का मानना है कि उसने जैकसनविले में एक वीडियो गेम प्रतियोगिता के दौरान एक अन्य बंदूकधारी द्वारा किए गए हमले की घटना के पांच साल पूरे होने के मौके पर गोलीबारी की। उस हमले में भी बंदूकधारी ने दो लोगों की हत्या करने के बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली थी।

शेरिफ वाटर्स ने बताया कि हमलावर पड़ोसी क्ले काउंटी से आया था और हमले से कुछ समय पहले अपने पिता को एक संदेश भेजा था जिसमें लिखा था कि वह अपना कंप्यूटर देखें। उन्होंने बताया कि हमलावर के पिता को कंप्यूटर पर कुछ लेख मिले और परिवार ने पुलिस को इसकी जानकारी दी, लेकिन गोलीबारी इससे पहले ही शुरू हो चुकी थी। इस हमले ने अश्वेत अमेरिकियों को निशाना बनाकर अतीत में किए गए हमलों की दुखद यादों को ताजा कर दिया है और इससे समुदाय में भय पैदा होने की आशंका है। इससे पहले 2022 में न्यूयॉर्क के बफेलो में एक श्वेत हमलावर ने अश्वेतों को निशाना बनाकर किए हमले में 10 लोगों की हत्या कर दी थी।

बिल्कुल मुफ्त दुनिया भर में घूम रही 30 साल की मेली मायर्स

लंदन । दुनियाभर में बड़ी संख्या में लोगों को घूमने का शौक है। हालांकि इसमें होने वाले खर्च के कारण लोग अपनी इच्छाएं पूरी नहीं कर पाते। लेकिन हम आपको ऐसी महिला के बारे में बता रहे हैं जो दुनिया घूमने के अपने सपने को जी रही हैं वह भी बिल्कुल मुफ्त में। लंदन की 30 साल की मेली मायर्स ज्यादातर समय यात्रा करने और दुनिया देखने में बिताती हैं और इन जगहों पर जानें के लिए न वे फ्लाइट का खर्च उठाती हैं न किसी होटल बुकिंग का। इसके बाद आप सोच रहे हैं मेली के इतने खर्च उठाता कौन है?

कुछ समय पहले मेली हिलटन होटल चेन में बतौर ईवेंट मैनेजर काम करती थीं। वहीं कोरोना वायरस के चलते होटल को 2 सालों तक काफी नुकसान हुआ। इसके बाद कई अन्य लोगों को तरह मेली ने भी अपनी नौकरी गंवा दी। मेली को परेशान हालत में देखकर उनके दोस्तों ने उन्हें सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर बनने की राय दी। बस मेली ने यही शुरू कर दिया। मेली ने अपने खाली समय का उपयोग अपने फॉलोअर्स बेस को बढ़ाने में किया। अब इंस्टाग्राम पर उनके फॉलोअर्स अविश्वसनीय रूप से 66,000 हैं। उस समय, मेली होटल से अपनी नौकरी खोने से निराश थी, लेकिन उसने खुद को संभाला और ये नया काम करना शुरू कर दिया। नेशनल सोशल मीडिया अवाड्र्स में, उसने सर्वश्रेष्ठ कंटेंट क्रिएटर 2022 जीता और उन्हें मुफ्त क्रूज ट्रिप मिले।

बढ़ते हुए तापमान और खाद्य सुरक्षा का सीधा संबंध

– भीषण गर्मी पडी तो करोडों होंगे भुखमरी का शिकार

लंदन (एजेंसी)। हाल ही में किए गए अध्ययन के नतीजों से पता चला है कि बढ़ते हुए तापमान और खाद्य सुरक्षा का सीधा संबंध है। कई देशों में पड़ रही रिकॉर्डतोड़ गर्मी के बीच किए गए इस अध्ययन से पता चला है कि गर्मी और बढ़ने पर महज कुछ ही दिनों के भीतर बड़ी तादाद में दिहाड़ी श्रमिकों के सामने रोजी-रोटी की समस्या खड़ी हो जाएगी। अध्ययन रिपोर्ट कहती है कि रोजी-रोटी की समस्या पैदा होने से लाखों-करोड़ों महिलाओं, पुरुषों और बच्चों के सामने एक वक्त के खाने का संकट खड़ा हो जाएगा। ऐसे में ये ये करोड़ों लोग भुखमरी के गहरे दलदल में फंस सकते हैं। एक शोध रिपोर्ट के मुताबिक, अगर भारत में तापमान महज एक हफ्ते लगातार अपने चरम पर रहता है तो करीब 80 लाख अतिरिक्त लोगों को खाने-पीने की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ सकता है। अगर इससे निपटने की तैयारी नहीं की गई तो भारत के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी हो सकती है। अध्ययन में दुनिया के 150 देशों को शामिल किया गया था।

शोध में उष्णकटिबंधीय और उप-उष्णकटिबंधीय इलाकों में मौजूद देशों पर खास ध्यान दिया गया कि अगर गर्मी बढ़ी तो वहां रहने वाली आबादी पर कितना गंभीर असर होगा? अध्ययन के नतीजे कहते हैं कि अगर गर्मी के चरम पर पहुंचने के समय में भोजन नहीं मिलने की आशंका में एक फीसदी से भी कम की वृद्धि दर्ज हुई तो शोध में शामिल 150 देशों में लाखों, पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को बिना भोजन के भूख का सामना करना पड़ सकता है। नए अध्ययन के मुताबिक, अगर गर्मी के असर को घटने या खत्म हो जाने वाली आय से जोड़ दिया जाए तो असर तुरंत दिखाई देने लगेगा। शोध के मुख्य लेखक और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के कैरोलिन क्रोगर के मुताबिक, अगर आज ही ज्यादा गर्मी पड़े तो कुछ ही दिन में लोगों के काम ना कर पाने के कारण खाने-पीने का संकट खड़ा हो जाएगा। दरअसल, दिहाड़ी कमाई करने वालों को बढ़ती गर्मी के कारण कोई आय नहीं होगी। इससे वे अपने और अपने परिवार के लिए खाने-पीने की चीजें नहीं खरीद पाएंगे और उनको भूख का सामना करना होगा। भुखमरी का संकट उन लोगों पर सबसे तेजी से नजर आएगा, जिनकी आमदनी उत्पादकता से जुड़ी होती है। इसमें खेतों में फसलों की बुआई, कटाई, माल ढुलाई, रिक्शा चालक, ठेले वाले, रेहड़ी-पटरी वाले, फैक्ट्री में डेली वेजेज पर काम करने वाले, निर्माण क्षेत्र में दिहाड़ी पर काम करने वाले लोग शामिल हैं। ऐसे लोगों को हर दिन काम के हिसाब से आमदनी होती है। इस रोज होने वाली आमदनी से ही वे अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। अगर वे बढ़ती गर्मी के कारण काम नहीं कर पाएंगे या कम काम करेंगे तो उनकी आय पर सीधा असर पड़ेगा। अब मान लीजिए किसी फैक्ट्री में काम करने वाला व्यक्ति एक दिन में किसी प्रोडक्ट के 100 पीस बनाता है और वो बढ़ती गर्मी के कारण सिर्फ 50 पीस बनाता है तो उसकी आय भी आधी रह जाएगी।

संपादकीय

हर वाक्य है कीमती वाकई

पैसे की माया कितनी ही बढ़ जाए मन में दीन- दुखी के प्रति संवेदना की भावना रहे।धन के अहम ने अच्छे अच्छे राजाओं को रंक बनादिया तो हम किस खेत की मूली हैं। लक्ष्मी का सदुपयोग सद्कार्य उसका अपने जीवन में ठहराव का सम्पन्नता का प्रतीक हैं। इसलिएना करे घमंड हम पूत- परिवार धन का,

मिला सब पिछले भव की पुण्याई का।अब उसे सुकृत दान कर आगे का टिफ़िन तैयार रखे कमल सम निर्लिप्त भाव से अपने जीवन कोआगे बढ़ाए। घन आज है कल नही व्यवहार आज है और कल भी रहेगा। जन्म लिया वो प्रथम दिन ओर जिस दिन होगी आखिरी स्वाँसवो होगा हमारा अंतिम दिन । समय तो आज़ाद है इसको बांधे नहीं क्योंकि यह कभी भी बँधा नहीं है ।

घड़ी बंद हो सकती है लेकिन समय बंद नहीं होता है । इंसान ने ग़लती कर दी।उसको भय सताता है कि उस ग़लती की भयंकर डाँटपड़ेगी।उस ग़लती को छुपाने के लिए पहले झूठ बोलता है फिर उसकी सफ़ाई के लिए झूठ पर झूठ बोलता है।अरे हमने ग़लतीकी,उसको स्वीकार करो।एक ग़लती को छुपाने के एवज़ में पता नहीं कितने झूठ बोलना पड़ता है।फिर वो झूठ बोलना हमारे संस्कार मेंआने लगता है।हो सकता है वो झूठ उस समय तो हमारा बचाव कर दिया।पर वो झूठ आप ज़िंदगी भर भूल नहीं पाओगे।हर समयआपको भय भी रहेगा कि कंहि मेरा झूठ पकड़ा ना जाए। झूठ बोलना और किसी से फ़रेब करना हर दृष्टि से घाटे का सौदा है।झूठबोलने से हमारी पुण्यायी समाप्त होती है और फ़रेब करने से आत्मा काली और असंख्य कर्मों का बंधन।

अपनी ग़लती छुपाना और भय के कारण इंसान झूठ बोलता है।

क्यों झूठ बोलना ? वही लाया कलयुग जिसने अपने काम को कल पर टाला।जो अपने वर्तमान को बेच उसका दुरूपयोग कर भविष्य मेंसुख से जीने की कल्पना करने लगा।एक युग वह था जब मानव प्राचीन काल में घर संसार परिवार का त्याग कर अन्तश्चेतना कीगहराई में झाँकता था ।अपने मानवीय हृदयांगम में करुणा संचारित होती थी। पर आज आज बिलकुल विपरीत

जैसे बाहरी जगत की चकाचौंध में मनुष्य स्वयं को भूल बैठा।अपने भीतर की परख छोड़कर बहिर्जगत में देखना शुरू कर दिया घर संसारपरिवार त्याग आज दुनिया को बदलने की धुन में

खुद को बादशाह समझ रहा ।यही संसार की रीत हो चली की अपनी आत्मा सुधरे ना सुधरे अपनी छवि टिपटाप हो तो इसमें कोई दोराय नही है और कलयुग हम ही लाए है । संसार का सबसे बड़ा न्यायालय हमारे मन में हैं जिसको सब पता हैं कि क्या है सही और क्याहै गलत जो अनवरत हमारे ज़ेहन में चलता रहता है ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष	संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।
वृषभ	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।
मिथुन	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
कर्क	व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।
सिंह	व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।
कन्या	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
तुला	आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।
वृश्चिक	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।
धनु	आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
मकर	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
कुम्भ	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।
मीन	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

विदेशी ताकतों का हस्तक्षेप गंभीर चिंता का विषय

अब मणिपुर में विदेशी हस्तक्षेप की खबर के बीच केंद्र का हस्तक्षेप अपरिहार्य है। मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया ने भी सीमा पार से शरारती तत्वों की घुसपैठ पर चिन्ता व्यक्त की है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पूर्व सेनाध्यक्ष के पास अवश्य ही कोई ठोस जानकारी है जिसके आधार पर उन्होंने अलगाववादी गुटों को चीन से मिल रही सहायता का आरोप लगाया है। यह मदद म्यांमार में सक्रिय आतंकी गुट के माध्यम से मिल रही है क्योंकि चीन मणिपुर, अरुणाचल जैसे शान्त राज्यों में अपने हित तलाशने के लिये अस्थिरता पैदा करना चाहेगा।

केएस तोमर

मणिपुर बीते तीन माह से गृहयुद्ध जैसी स्थिति से जूझ रहा है। यह स्थिति तब और भयावह हो सकती है, यदि पूर्व सेनाध्यक्ष एमएम नरवाणे के इस बयान पर ध्यान दिया जाए कि विभिन्न आतंकी गुटों को 'विदेशी ताकतें' सहायता प्रदान कर रही हैं जिस कारण मणिपुर हिंसा बढ़ी है। मणिपुर और म्यांमार की 400 किलोमीटर की साझी सीमा है और म्यांमार में इस समय राजनीतिक अस्थिरता का माहौल है। इसका फायदा उठाकर चीन के अलगाववादी गुटों को हथियार और धन उपलब्ध करवाने के आरोप हैं।दरअसल कुछ गुट म्यांमार से ही अपनी गतिविधियां चलाते हैं। इतिहास गवाह है कि चीन पहले भी आतंकी संगठनों को हथियार मुहैया करवाता रहा है। विशेषज्ञ एकमत हैं कि इस विस्फोटक स्थिति से निपटने के लिए केंद्र हस्तक्षेप करे। अब मणिपुर में विदेशी हस्तक्षेप की खबर के बीच केंद्र का हस्तक्षेप अपरिहार्य है। मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया ने भी सीमा पार से शरारती तत्वों की घुसपैठ पर चिन्ता व्यक्त की है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पूर्व सेनाध्यक्ष के पास अवश्य ही कोई ठोस जानकारी है जिसके आधार पर उन्होंने अलगाववादी गुटों को चीन से मिल रही सहायता का आरोप लगाया है। यह मदद म्यांमार में सक्रिय आतंकी गुट के माध्यम से मिल रही है क्योंकि चीन मणिपुर, अरुणाचल जैसे शान्त राज्यों में अपने हित तलाशने के लिये अस्थिरता पैदा करना चाहेगा। म्यांमार के सर्वोच्च सैन्य जनरल हलिंग और अन्य उच्च सैन्य अधिकारियों ने भी आरोप लगाए हैं कि चीन म्यांमार के अराकान आर्मी और अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी जैसे आतंकी संगठनों को सहायता प्रदान कर रहा है, जो चीन की सीमा के साथ लगते पश्चिम क्षेत्र में सक्रिय हैं। सैन्य अधिकारियों ने आरोप लगाए हैं कि चीन निर्मित शस्त्र 2019 में सेना पर किए हमले में प्रयोग किए गए थे और सेना ने इन अवैध हथियारों का बड़ा जखीरा पकड़ा था। जिसकी कीमत करीब 90 हजार अमेरिकी डॉलर के बीच लगाई गई थी। ये हथियार चार वर्ष पूर्व प्रतिबंधित तांग नेशनल लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों से पकड़े गए थे और इससे साफ हो गया था कि चीन आतंकी संगठनों को मदद पहुंचा रहा है। अनुमान है कि चीन म्यांमार के सीमांत क्षेत्र का लाभ उठाकर उन आतंकी संगठनों की भरपूर मदद करेगा, जिन पर हाल के दिनों में बर्मा की सैनिक सरकार ने दबाव बढ़ाया है। क्योंकि इस समय विश्व का ध्यान रूस व यूक्रेन युद्ध पर केंद्रित है जिसका लाभ उठाकर म्यांमार के सैनिक शासक आंग सांग सू की के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक ताकतों को कुचलने के लिए बर्बरता दिखा रहे हैं। भारत तटस्थ है जिसके कारण सेना व आमजन में संघर्ष निरन्तर चल रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि म्यांमार के सैन्य शासक सत्ता छोड़ने को तैयार नहीं हैं और इस कारण मणिपुर के अलगाववादी गुटों को उनके सीमान्त क्षेत्रों से मिल रही सैन्य सहायता को अनदेखा कर रहे हैं। इस वर्ष के अंत तक राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव हैं और भाजपा के लिए अत्यंत अहम है क्योंकि पार्टी 2024 में सत्ता पर कब्जा बरकरार रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। इस कारण मणिपुर में शांति बहाल करना पार्टी के लिए जरूरी है क्योंकि यहां डबल इंजन की सरकार है। यही मुद्दा आगामी विधानसभा चुनावों में भी अहम होगा। यदि केन्द्र विपक्ष से यह मुद्दा छीनना चाहता है तो मणिपुर में शांति बहाल करनी होगी। मणिपुर के बिगड़े हालात अब केन्द्र की एनडीए सरकार और नवगठित विपक्षी गठबंधन में सीधे टकराव का मुद्दा बन गया है। गठबंधन ने हाल ही में 21 सांसदों का दल मणिपुर के हिंसाग्रस्त हालात का जायजा लेने के लिए भेजा था। विपक्ष ने प्रधानमंत्री से जवाब को लेकर संसद में गतिरोध बनाए रखा। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस शासित राज्यों राजस्थान और छत्तीसगढ़ में महिलाओं पर हिंसा रोकने की मांग उठा दी। खेदजनक है कि जहां राजनीतिक दल अपने फायदे की सोच रहे हैं वहीं मणिपुर में हो रही निरन्तर हिंसा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए घातक है। आम भारतीय की इस आशा को झुठलाया नहीं जा सकता है कि मणिपुर में जल्द हालात सामान्य हों। जानकारों का सुझाव है कि केन्द्र सरकार प्राथमिकता के आधार पर 163 किलोमीटर लम्बी भारत-म्यांमार सीमा पर तुरंत बाड़ लगाए ताकि आतंकवादियों के आने-जाने पर अंकुश लग सके। वहीं आतंकी इस बाड़ का विरोध कर रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि आम मणिपुर के नागरिक शांति के पक्षधर हैं क्योंकि हिंसा के कारण इन समुदायों का सामाजिक और आर्थिक भाईचारा छिन्न-भिन्न हो गया है। समय की मांग है कि सत्तापक्ष और विपक्ष अपने तुच्छ राजनीतिक लक्ष्य से ऊपर उठकर देश हित के लिए इस समस्या के समाधान के लिए एकजुट हों।

लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

आइए जानते है उन्हें, जिन्होंने चांद पर अपने पैरों के निशान छोड़े!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

नील आर्मस्ट्रांग पहले व्यक्ति थे जिन्होंने चांद पर कदम रखा था। लेकिन उनके बाद कई अंतरिक्ष यात्री चांद पर गए और चांद की जमीन पर अपने पैरों के निशां छोड़े, लेकिन दुनिया उन्हें याद नहीं करती। 20 जुलाई सन 1969 को चांद पर अपोलो 11 मिशन से गए नील आर्मस्ट्रांग और बज एल्ड्रिन ने इतिहास रचा था। एक अंतरिक्ष यात्री और वैमानिक इंजिनियर नील आर्मस्ट्रांग सन 1971 में नासा यानि द नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन से ही रिटायर्ड हुए। 5 अगस्त सन 1930 में जन्मे आर्मस्ट्रांग का साल 2012 में 82 साल की उम्र में निधन हो गया था। एल्ड्रिन भी अपोलो 11 मिशन पर उनके साथ गए थे। 86 साल की उम्र में एल्ड्रिन ने साउथ पोल (दक्षिण ध्रुव) तक पहुंच कर एक रिकॉर्ड कायम किया। वह वहां पहुंचने वाले सबसे बुजुर्ग व्यक्ति थे। सन 2016 में इस सफलता को हासिल करने के बाद उन्होंने कहा था, 'मैने मौत को बेहद करीब देखा।' 90 वर्षीय एल्ड्रिन फिलहाल फ्लोरिडा में रहते हैं।पेटे कॉनराड चांद पर कदम रखने वाले दुनिया के तीसरे व्यक्ति थे। वह नंवबर सन 1969 में हुए अपोलो 12 मिशन का हिस्सा बने थे। सन 1999 में कैलिफोर्निया में उनकी मोटरसाइकिल का एक्सिडेंट हो गया था, जिसमें उनकी जान चली गई। उस समय वह 69 साल के थे।कॉनरड के साथ अपोलो 12 के चालक दल में एलन बीन नामक व्यक्ति भी शामिल थे। वह चंद्रमा पर कदम रखने वाले चौथे इंसान थे। नासा से सन 1981 में रिटायर्ड होने के बाद वह एक पेंटर बन गए और उन्होंने पेंटिंग्स में अपने स्पेससूट के टुकड़े का इस्तेमाल किया। यह व्यक्ति 86 साल की उम्र में दुनिया छोड़ कर चला गया। अपोलो 14 मिशन का हिस्सा रहे एलन शेपर्ड ने फरवरी सन 1971 में चंद्रमा की धरती पर कदम रखा था। शेपर्ड साल 1974 में नासा से रिटायर्ड हुए। इसके बाद उन्होंने बैंकिंग और रियल स्टेट में काम करना शुरू किया। उनकी मृत्यु 1998 में ल्यूकेमिया में हुई। वह उस समय 74 साल के थे।शेपर्ड के साथ अपोलो 14 मिशन पर गए एडगर मिशेल छठे व्यक्ति थे,जिन्होंने चांद पर कदम रखा था। नासा से 1972 में रिटायर्ड होने के बाद उन्होंने कैलिफोर्निया में नोएटिक साइंसेज संस्थान की मदद की, जो ईएसपी और अन्य मानसिक घटनाओं पर शोध करता है। सन 2016 में फ्लोरिडा में 85 वर्षीय मिशेल की मृत्यु हो गई थी।अपोलो 15 क्लासिक के अंतरिक्ष यात्री डेविड स्टॉक सन 1971 में चांद पर गए थे। सन 1977 में नासा से रिटायर्ड होने के बाद उन्होंने लेखक के रूप में काम किया। इसके अलावा वह अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम के बारे में किताबों और डॉक्यूमेंट्रीज के लिए कंसलटेंट बन गए। वे इस समय स्टॉक कैलिफोर्निया के लॉस एंजिलिस में रहते हैं।जेम्स इरविन, चंद्रमा पर चलने के लिए आठवें व्यक्ति बने थे। वह सन 1972 में नासा से रिटायर्ड हुए।उन्होंने ईसाई धार्मिक आउटरीच संगठन हाई फ्लाइट फाउंडेशन की स्थापना की। इरविन की मौत हार्ट अटैक से सन 1991 में हुई। वह 61 साल के थे। अपोलो 16 मिशन पर जाकर अप्रैल सन 1972 को जॉन यंग चांद पर चलने वाले नौवें व्यक्ति बन गए थे सन 2004 मे रिटायर्ड होने से पहले उन्होंने नासा के लिए करीब 40 साल तक काम किया। वे स्पेस शटल कोलंबिया मिशन पर काम करते थे। जॉन की मृत्यु 87 वर्ष की आयु में हुई।चार्ल्स ड्यूक उसी अपोलो 16 मिशन का हिस्सा थे, जिसमें जॉन यंग शामिल थे। चार्ल्स चंद्रमा पर जाने वाले दसवें व्यक्ति हैं। वह सन 1975 में नासा से सेवानिवृत्त हुए, जिसके बाद उन्होंने जेल मंत्रालय में काम किया। अब चार्ल्स 85 साल के हैं और टेक्सास में रहते हैं। वह एस्ट्रोनॉट स्कॉलरशिप फाउंडेशन बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। अपोलो 17 मिशन के दौरान चंद्रमा पर जाने वाले यूजीन सेरनन 11वें व्यक्ति थे। सेरनन वह व्यक्ति हैं, जिन्होंने आखिरी बार चंद्रमा की सतह पर अपने कदमों के निशान छोड़ें थे। वह सन 1976 में नासा से रिटायर्ड हुए और एक प्राइवेट इंडस्ट्री में काम करने लगे। इसके अलावा वह 'गूड मॉर्निंग अमेरिका' के लिए कमेंटेटर के तौर पर काम करते थे। सेरनन की मौत टेक्सास में जनवरी 2017 को 82 वर्ष की आयु में हुई। चंद्रमा पर कदम रखने वाले हैरिसन श्मिट उसी अपोलो 17 मिशन के भूविज्ञानी थे, जिस पर यूजीन सेरनन गए थे। इन्होंने नासा से सन 1975 में रिटायर्ड होने के बाद यू.एस. सीनेट में एक साल के लिए रिपब्लिकन के रूप में न्यू मैक्सिको का प्रतिनिधित्व किया। हैरिसन ने विश्वविद्यालय स्तर पर पढ़ाने का काम भी किया है। वह 85 वर्ष के हैं और न्यू मैक्सिको में रहते हैं।चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' के बाद भारत वहां पहुंच गया है जहां पहले कोई देश नहीं पहुंचा है। स्पेस मिशन में बड़ी छलांग लगाते हुए भारत का मून मिशन 'चंद्रयान 3' गत बुधवार शाम 6.04 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरा, जिससे भारत, चांद के इस इलाके में उतरने वाला दुनिया का पहला तथा उसकी सतह पर सफल 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला दुनिया का चौथा देश बन गया है। विक्रम लैंडर पर चार पेलोड्स अलग अलग काम करेंगे,इनमें रंभा चांद की सतह पर सूरज से आने वाले प्लाज्मा कणों के घनत्व, मात्रा और बदलाव की जांच करेगा।वही चास्टे चांद की सतह के तापमान की जांच करेगा,जबकि इल्सा लैंडिंग साइट के आसपास भूकंपीय गतिविधियों की जांच करेगा।विक्रम लैंडर में लगा लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर एरे चांद के डायनेमिक्स को समझने का प्रयास करेगा।साथ ही उसके प्रज्ञान रोवर पर दो पेलोड्स हैं,जिनमे लेजर इंड्यूस्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप चांद की सतह पर मौजूद रसायनों की मात्रा और गुणवत्ता का अध्ययन करेगा, साथ ही खनिजों की खोज भी करेगा।वही अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर एलिमेंट कंपोजिशन का अध्ययन करेगा। चांद पर मैग्नीशियम, अल्यूमिनियम, सिलिकन, पोटैशियम, कैल्सियम, टिन और लोहा आदि की खोज लैंडिंग साइट के आसपास चांद की सतह पर की जाएगी।यह सब कार्य मात्र 14 दिन की अवधि में पूरे होने है।इसी से विक्रम लैंडर भारत के लिए दुनिया मे खगोलीय अध्ययन का इतिहास लिख रहा है।

विचार मंथन

अंग्रेजों के गवर्नर की याद दिला रहे हैं वर्तमान राज्यपाल

(लेखक - सनत जैन)

पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को एक चिट्ठी लिखी है। जिसमें उन्होंने कुछ सवालों के जवाब मांगे हैं जानकारी नहीं देने पर संविधान के अनुच्छेद 356 और भारतीय दंड संहिता की धारा 124 के तहत आपराधिक कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है राज्यपाल ने 15 अगस्त को यह चिट्ठी मुख्यमंत्री को लिखी है। पत्र में पंजाब में नशा चरम पर है, दवा की दुकानों से नशीले पदार्थ बिक रहे हैं। संसद की हालिया रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि हर पांच में से एक व्यक्ति नशे का आदी है। पंजाब की कानून व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है। उपरोक्त मुद्दों पर उन्होंने सरकार से जवाब मांगा है। पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र, केरल इत्यादि राज्यों के राज्यपाल और राज्य सरकारों के मुख्यमंत्री के बीच इसी तरह की तल्खी देखने को मिल रही है। स्वतंत्र भारत की संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार निर्वाचित प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री मंत्रिमंडल की सलाह से राष्ट्रपति और राज्यपाल काम करते हैं। संवैधानिक रूप से राष्ट्रपति और राज्यपाल केन्द्र एवं राज्य सरकार के मुखिया होते हैं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के द्वारा लिये गये मंत्रिमंडल के फैसले का क्रियान्वयन राज्यपाल को करना होता है। 1950 के बाद से यह व्यवस्था चली आ रही है। राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच में समय-समय पर कुछ छोटे-मोटे टकराव भी देखने को मिले, लेकिन सत्ता के समीकरण राज्यपाल ने कभी अपने हाथ में ले लिए हों, यह पिछले कुछ वर्षों से देखने को मिल रहा है। केंद्र एवं जिन राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं, जिन राज्यों में डबल इंजन की सरकार नहीं है, उन राज्यों के राज्यपाल और निर्वाचित मुख्यमंत्री के बीच में सीधा टकराव देखा जा रहा है। निर्वाचित मुख्यमंत्री के अधिकारों पर राज्यपाल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से कैंची चलाने का काम कर रहे हैं। जिससे निर्वाचित सरकार को अपना कामकाज करने में बाधा उत्पन्न हो रही है। वहीं मुख्यमंत्री जो करना चाहते हैं, वह कर नहीं पाते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि जहां डबल इंजन की सरकारें हैं। वहां के राज्यपाल शांत बैठकर उनकी मदद करते हैं। जहां अन्य दलों की सरकारें हैं, वहां पर राज्यपाल सत्ता के सूत्र अपने हाथ में लेने का प्रयास करते हैं। जिसके कारण राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच का टकराव दिनों दिन बढ़ता ही जा रहा है। यही टकराव अंग्रेजों के जमाने में देखने को मिलता था। जब गवर्नर जनरल, राजाओं के अधिकारों पर तरह-तरह से बा धित करके अपनी सत्ता को मजबूत करते थे। अंग्रेजों के जमाने में जो गवर्नर नियुक्त होते थे, वह अंग्रेजों की ओर से शासन करते थे। राजाओं के अधिकार लगभग-लगभग गवर्नर के सामने खत्म हो गए थे। पिछले कुछ वर्षों से यही स्थिति अब राज्यों में देखने को मिलने लगी है। एक बार फिर अंग्रेजों के जमाने के लाट साहब याद आने लगे हैं। भारत की संघीय व्यवस्था में जो समन्वय केंद्र एवं राज्य सरकारों के बीच में बना हुआ था, वह टूटता हुआ दिख रहा है। निर्वाचित प्रतिनिधियों के स्थान पर गवर्नर और नौकरशाही दिनों दिन हावी होते जा रही है। भारत में स्वतंत्रता के बाद से ही केंद्र एवं राज्यों में अलग-अलग दलों की सरकार रही हैं। धारा 356 का उपयोग कर केंद्र ने कई राज्य सरकारों को गिराया भी है। इसके बाद भी गवर्नर के हाथ में सत्ता के सूत्र कभी नहीं गए थे। जो अब प्रत्यक्ष रूप से जाते हुए दिख रहे हैं। हाल ही में दिल्ली सरकार के लिए केंद्र सरकार द्वारा सेवा बिल लाया गया। उसमें प्रत्यक्ष रूप से उपराज्यपाल को अधिकार संपन्न बनाकर मुख्यमंत्री को एक तरह से राज्यपाल के अधीन ही कर दिया गया है। किसी निर्णय से यदि राज्यपाल सहमत नहीं होंगे, तो वह निर्णय लेने की क्षमता मुख्यमंत्री में नहीं होगी। यही स्थिति पंजाब और अन्य राज्यों में भी अब दिखने लगी है। देश में जिस तरह के राजनीतिक हालात हैं, उसको देखते हुए गैर भाजपाई राजनीतिक दलों में एक बड़ी कश्मसाहट है। जनता में बेचैनी देखने को मिल रही है। व्यवस्था बनने में बहुत समय लगता है। एक बार व्यवस्था टूट जाए, तो फिर उसको संभालने में लंबा समय लगता है। व्यवस्था बनेगी या नहीं, यह भी कहना मुश्किल होता है। राज्यपाल के मामले में राज्य सरकारों के साथ केन्द्र को समन्वय बनाने की दिशा में काम करने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को जिस तरह से केंद्र सरकार ने बदलकर दिल्ली सेवा बिल पास कराया है। इसके बाद से राज्यपाल अपने आपको मुख्यमंत्री के उपर समझने लगे हैं। जिसके कारण केन्द्र एवं राज्यों के रिश्ते बिगड़ रहे हैं।

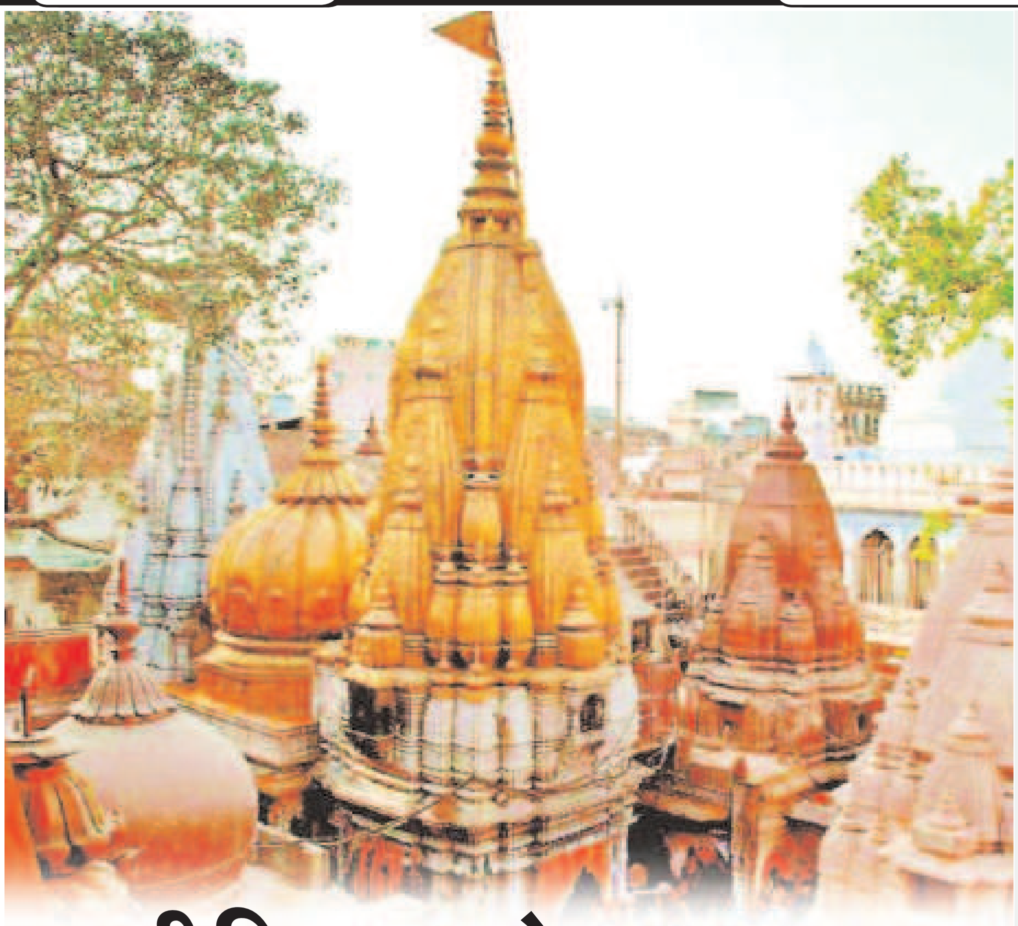

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कर्णी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यव्था की गई है। यह शहर सुप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलत: पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पत्ति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पत्ति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वहीं बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते हैं कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे :**

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

  अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।
- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

मेडी असिस्ट आईपीओ लाने की कर रहा तैयारी

नई दिल्ली । मेडी असिस्ट हेल्थकेयर सर्विसेज अपना आईपीओ लाने की तैयारी में है। कंपनी ने इसके लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास एक बार फिर ड्राफ्ट पेपर दाखिल किया है। यह आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) पर आधो रित है। इश्यू के तहत प्रमोटरों और निवेशकों द्वारा 2.8 करोड़ शेयरों की बिक्री की जाएगी। कंपनी को ऑफर से कोई पैसा नहीं मिलेगा। डॉ. विक्रम जीत सिंह छतवाल, मेडिमैटर हेल्थ मैनेजमेंट और बेसेमर हेल्थ कैपिटल एलएलसी मेडी असिस्ट के प्रमोटर हैं, जो अपने शेयर बेचेंगे। छतवाल ओएफएस के माध्यम से कंपनी में अपनी 25.39 लाख शेयरों की पूरी पर्सनल शेयरहोल्डिंग (3.61 प्रतिशत) बेचेंगे। इसके साथ ही मेडिमैटर हेल्थ मैनेजमेंट के साथ संयुक्त रूप से 5.37 लाख शेयरों को बेचेंगे। मेडिमैटर हेल्थ मैनेजमेंट (छतवाल के शेयरों सहित) 1.24 करोड़ शेयर और बेसेमर हेल्थ कैपिटल एलएलसी 66.06 लाख से अधिक शेयर ओएफएस के जरिए बेचेंगे। बेसेमर इंडिया कैपिटल होल्डिंग्स ।। और बेसेमर हेल्थ के पास सामूहिक रूप से कंपनी में 44.51 फीसदी शेयर हैं। इससे पहले मेडी असिस्ट ने आईपीओ के माध्यम से 840 करोड़ रुपए का फंड जुटाने के लिए मई 2021 में ड्राफ्ट पेपर दाखिल किया था।

पोर्टफोलियो प्रबंधन उद्योग का एयूएम बढ़कर 28.5 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली । उच्च नेटवर्थ वाले लोगों के बढ़ने और उनकी परंपरागत निवेश उत्पादों से आगे अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने की जरूरत से जून ओ खिरी तक पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं के प्रबंधन के तहत संपत्तियां (एयूएम) सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 28.5 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले तीन से पांच साल के दौरान यह उद्योग 20 से 25 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। इसके अलावा पीएमएस (पोर्टफोलियो प्रबंधन योजना) सेवाओं की अनुकूलित प्रकृति और एक विकसित नियामकीय परिवेश ने भरोसे और नवोन्मेषण को बढ़ावा दिया है जिससे उद्योग की वृद्धि में मदद मिली है। सिर्फ उद्योग की संपत्ति का आधार ही नहीं बढ़ा है, बल्कि इसके ग्राहक भी बढ़े हैं। उद्योग के आंकड़ों से पता चलता है कि जून तक देश में पीएमएस ग्राहक बढ़कर 2.8 लाख हो गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि देश में पीएमएस ग्राहकों के निवेश का औसत आकार अच्छा-खासा यानी 10 करोड़ रुपए है, जो दर्शाता है कि निवेशक पीएमएस पर भरोसा करते हैं और इसमें पूंजी लगा रहे हैं।

देश के साथ प्रस्तावित करार में कई उत्पादों पर व्यापार बाधाएं कम करेगा ईएफटीए

नई दिल्ली । चार देशों का समूह ईएफटीए भारत के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार करार (एफटीए) के लिए मशीन टूल्स, उन्नत रसायन, फार्मा, चॉकलेट, नॉर्वे और आइसलैंड की मछली आदि उत्पादों पर व्यापार बाधाएं कम करना चाहता है। स्विट्जरलैंड की आर्थिक मामलों की मंत्री हेलेन बुडलिगर अर्टिडा ने यह बात कही है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ ईएफटीए वस्तुओं, सेवाओं और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) जैसे क्षेत्रों में एक महत्वाकांक्षी और व्यापक करार चाहता है। भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के देश आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड दोनों क्षेत्रों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते (टीईपीए) पर बातचीत कर रहे हैं। समझौते पर बातचीत आधिकारिक तौर पर जनवरी, 2008 में शुरू हुई थी। 2013 तक 13 दौर की बातचीत हुई थी। अक्टूबर, 2016 में बातचीत दोबारा शुरू होने के बाद कई दौर की वार्ता हो चुकी है। वस्तुओं के व्यापार के संबंध में भारत ईएफटीए देशों के कई निर्यात पर उच्च शुल्क लागू करता है। हम व्यापार बाधाओं में पर्याप्त कमी की उम्मीद कर रहे हैं, विशेष रूप से मशीन टूल्स, उन्नत रसायन, फार्मास्युटिकल्स, स्विस चॉकलेट और मछली जैसे उच्च मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए।

शेयर बाजार समीक्षा: वैश्विक बाजारों का रुख तय करेगा बाजार की दिशा

मुंबई ।

इस सप्ताह वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक बाजारों का रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों की यह राय है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बाजार के कारोबारियों की नजरें रिलायंस इंडस्ट्रीज की सालाना आमसभा (एजीएम) पर भी रहेगी। बाजार के जानकारों ने कहा ` कि इस सप्ताह का केंद्रबिंदु सोमवार 28 अगस्त को रिलायंस इंडस्ट्रीज की एजीएम है। इस घटनाक्रम का बाजार पर कुछ प्रभाव पड़ना निश्चित है। इसके अलावा गुरुवार को दूसरी तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े आएंगे। इससे देश के आर्थिक प्रदर्शन को लेकर तस्वीर स्पष्ट को जाएगी। उन्होंने कहा कि विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के आंकड़े शुक्रवार को आएंगे। इसके अलावा शुक्रवार को ही अमेरिकी के बेरोजगारी दर और गैर-कृषि पेरोल के आंकड़े भी आने वाले हैं। चीन के बाजार का रुख, डॉलर सूचकांक का उतार-चढ़ाव और अमेरिकी में बॉन्ड पर प्रतिफल भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा।

शुक्रवार को वाहन कंपनियां अपने मासिक बिक्री आंकड़ों की भी घोषणा करेंगी। एक अन्य बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि वैश्विक

और घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक बाजारों का रुझान, कच्चे तेल की कीमतें, डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल और घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों का रुख बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। गुरुवार को मासिक डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान की वजह से बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 62.15 अंक के नुकसान में रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 44.35 अंक की गिरावट आई।

भारत इलेक्ट्रॉनिक को 3,289 करोड़ के ठेके मिले

बेंगलुरु । रक्षा क्षेत्र की नवरत्न कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को जुलाई और अगस्त 2023 में 3,289 करोड़ रुपए के नए रक्षा और गैर-रक्षा ठेके मिले हैं। कंपनी ने कहा कि ये ठेके निचले स्तर के हल्के रडार, सोनार, आईएफएफ सिस्टम, सैटकॉम सिस्टम, ईओ, आईआर पेलोड, टीआरएम, डीटीआरएम, जैमर, एनक्रिप्टर, डेटा लिंक सिस्टम, फायर कंट्रोल सिस्टम, डायरेक्टेड एनर्जी सिस्टम के लिए रडार, सेमी रग्ड टेलीफोन एक्सचेंज, सॉफ्टवेयर डिफाइंड रेडियो और विभिन्न प्रकार के रेडियो, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, एएमसी और कलपुर्जों की आपूर्ति के लिए हैं। बीईएल ने कहा कि इनमें फ्लीट सपोर्ट जहाजों के लिए सीएमएस, संचार प्रणाली, ईडब्ल्यू सिस्टम और अन्य सेंसर की आपूर्ति के लिए हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड से 1,075 करोड़ रुपए का ठेका भी शामिल है। कंपनी ने कहा` कि ये ठेके पहले मिल चुके 8,091 करोड़ रुपए के ऑर्डर के अतिरिक्त हैं। इसके साथ, बीईएल को वित्त वर्ष 2023-24 में अब तक 11,380 करोड़ रुपए के ठेके मिले हैं।

एसबीआई सहित सरकारी बैंकों के प्रमुखों का कार्यकाल का होगा विस्तार

मुंबई । केंद्र सरकार सरकारी इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और अन्य पब्लिक सेक्टर बैंकों के प्रमुखों की रिटायरमेंट उम्र को बढ़ाने पर विचार कर रही है। इस मामले पर वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के अधिकारियों के कार्यकाल को बढ़ाकर 65 साल तक करने का प्रस्ताव मिला है। वहीं एलआईसी और एसबीआई के चेयरमैन की रिटायरमेंट उम्र को 62 साल से बढ़ाकर 65 साल किया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार सभी पब्लिक सेक्टर के बैंकों के मैनेजिंग डायरेक्टर की रिटायरमेंट उम्र को 1 से 2 साल तक बढ़ा सकती है। ऐसे में यह 60 वर्ष से बढ़कर 62 साल हो जाएगी। वहीं भारतीय स्टेट बैंक के वर्तमान चेयरमैन दिनेश खारा की रिटायरमेंट आयु 63 साल है और उनका कार्यकाल अगले साल अगस्त 2023 में खत्म हो रहा है। ऐसे में अगर उन्हें दो साल का एक्सटेंशन मिल जाता है, उनका कार्यकाल 65 वर्ष की आयु तक हो जाएगा। वहीं एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती का कार्यकाल 29 जून, 2024 को खत्म हो रहा है। अगर सरकार चेयरमैन और एमडी की रिटायरमेंट उम्र बढ़ाने का फैसला लेती है तो इसका असर एलआईसी के चेयरमैन और एमडी के रिटायरमेंट उम्र पर निश्चित रूप से पड़ेगा।

सेंसेक्स की प्रमुख तीन कंप नियों बाजार पूंजीकरण 82,082.91 करोड़ घटा

- प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से तीन कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 82,082.91 करोड़ रुपए की गिरावट आई है। सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ है। बीते सप्ताह प्रमुख 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन घट गया। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, आईटीसी, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। इन सात कंपनियों की बाजार हैसियत 67,814.1 करोड़ रुपए बढ़ी है। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 58,690.9 करोड़ रुपए घटकर 16,71,073.78 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 20,893.12 करोड़ रुपए कम होकर 11,81,835.08 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक की 2,498.89 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 5,08,926 करोड़ रुपए रह गई। वहीं दूसरी ओर बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 21,025.39 करोड़ रुपए बढ़कर 4,36,788.86 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 13,716.34 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 6,79,267.17 करोड़ रुपए और इन्फोसिस का मूल्यांकन

13,199.82 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,89,579.08 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 9,731.21 करोड़ रुपए बढ़कर 4,88,461.91 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 4,738.47 करोड़ रुपए बढ़कर 12,36,978.91 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 2,972.23 करोड़ रुपए की बढ़त के साथ 6,03,222.31 करोड़ रुपए रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 2,430.64 करोड़ रुपए बढ़कर 5,53,251.90 करोड़ रुपए रही। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इन्फोसिस, आईटीसी, एसबीआई, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस का स्थान रहा।

खाद्य तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट का रुख रहा

- विदेशी बाजारों में खाद्य तेल के दाम मजबूत रहे

नई दिल्ली ।

आयातकों द्वारा बीते सप्ताह लागत से कम कीमत पर खाने के तेलों की बिकवाली से दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में लगभग सभी खाने के तेल-तिलहनों के थोक भाव में गिरावट का रुख रहा। हालांकि, इस दौरान विदेशी बाजारों में खाद्य तेल के दाम मजबूत रहे। बाजार सूत्रों ने कहा कि बीते पूरे सप्ताह के दौरान विदेशों में गिरावट का माहौल नहीं था, लेकिन आयातक अपना ऋण साख पत्र बैंकों में चलाते रहने के लिए लागत से कम दाम पर आयातित सूरजमुखी और सोयाबीन जैसे सॉफ्ट ऑयल बेच रहे हैं। पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 75 रुपए की गिरावट के साथ 5,610-5,660 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 150 रुपए की गिरावट के साथ 10,650 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 1,770-1,865 रुपए और 1,770-1,880 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव 10-10 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 5,080-5,175 रुपए प्रति क्विंटल और 4,845-4,940 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल के भाव भी क्रमशः 275 रुपए, 175 रुपए और 450 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 10,125 रुपए, 10,025 रुपए और 8,150 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। माल की कमी के बावजूद आयातित सस्ते खाद्य तेलों के आगे समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन, मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड के भाव क्रमशः 100 रुपए, 300 रुपए और 25 रुपए की हानि के साथ क्रमशः 7,765-7,815 रुपए, 18,550 रुपए और

2,710-2,995 रुपए प्रति टिन पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 75 रुपए की गिरावट के साथ 8,150 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपए घटकर 9,300 रुपए प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला का भाव समीक्षाधीन सप्ताहांत में 75 रुपए हानि के साथ 8,450 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। माल की कमी के बावजूद गिरावट के आम रुख के अनुरूप बिनौला तेल का भाव 175 रुपए की गिरावट के साथ 9,025 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पिछले नौ साल में 50 करोड़ जनधन खाते खुले

नई दिल्ली । पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री जनधन योजना के 50.09 करोड़ से अधिक खाते खोले गए हैं और इन खातों में जमा राशि बढ़कर 2.03 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) 28 अगस्त 2014 को शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य उन परिवारों के लिए शून्य रुपए की न्यूनतम जमा राशि वाले बैंक खाते खोलना था, जो अभी तक बैंकिंग सेवाओं से वंचित थे। वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने कहा कि अगस्त, 2023 तक पीएमजेडीवाई खाताधारकों को 33.98 करोड़ रुपे कार्ड जारी किए गए। यह आंकड़ा मार्च 2015 के अंत में 13 करोड़ था। जोशी ने कहा कि वर्तमान में देश में 225 करोड़ बैंक खाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि कई लोगों के पास एक से अधिक बैंक खाते हैं। कुल मिलाकर खाता खोलने के मामले में हम पूर्णता के करीब हैं।

एलन मस्क ने एक्स पर जॉब सर्विंग फीचर शुरू किया

सैन फ्रांसिस्को ।

सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म्स को लेकर ...चिंताएं भी जाहिर ... सुविधा से ...ड संगठनों को ...क्स प्रोफाइल पर लिस्टिंग की मिलेगी। इस ... के लिए ...शन कराना होगा, ... लिए प्रति माह का भुगतान ...गेगा। नौकरी की सूची ...की प्रोफ़ाइल पर दिखाई देगी और उन्हें कीवर्ड, स्थान और अन्य मानदंडों के आधार पर खोजा जा सकेगा। उम्मीदवार सीधे एक्स पर नौकरियों के लिए आवेदन कर सकते हैं और नियोक्ता उनसे मंच के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

... पहुंच को अनलॉक करें। एक्स की इस पोस्ट पर यूजर्स अलग अलग तरह के कमेंट भी कर रहे हैं। जहां कई सारे यूजर्स ने एक्स की इस नई सर्विस को लेकर सवाल खड़े किए तो वहीं कुछ यूजर्स ने दूसरे

एक्स हायरिंग सर्विस के लिए साइन अप करें, जो मौजूदा वैरिफाइड संगठनों के लिए उपलब्ध है। एक्स ने कहा, यदि पात्र हैं तो हम आपके खाते पर हायरिंग सुविधाओं को सक्षम करेंगे। मस्क के एक्स द्वारा अपना जॉब हायरिंग प्लेटफॉर्म लॉन्च करने के साथ यह संभावित रूप से भर्ती प्रक्रिया में एक नया मोड़ ला सकता है। संभवतः नियोक्ताओं और संभावित कर्मचारियों को जोड़ने के लिए नए दृष्टिकोण पेश करने के लिए अपनी तकनीकी कौशल और विघटनकारी पहचान का लाभ उठा सकता है।

स्विगी ने शुरू की आईपीओ की तैयारी

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी अगले वर्ष शेयर बाजार में लिस्ट होने की तैयारी कर रही है। कंपनी अपना आईपीओ लाने की काफी समय से योजना बना रही है, लेकिन शेयर बाजार में जारी भारी उतार-चढ़ाव को देखते हुए इस प्रक्रिया को रोक दिया था। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कंपनी अपना आईपीओ के वैल्यूएशन का आकलन करने के लिए बैंकरों से बातचीत कर रही है।` स्विगी की राइवल कंपनी जोमोटो पहले से ही खुद को शेयर बाजार में लिस्ट करवा चुकी है। कंपनी के शेयर्स को इस साल अब तक 54.8 फीसदी का मुनाफा कमाया। अब स्विगी भी अगले साल तक बाजार में लिस्ट होने की तैयारी में जुट गई है। स्विगी में जापान की एक नामी इनवेस्टमेंट फर्म साफ़्ट बैंक ने इसमें इन्वेस्ट किया हुआ है। स्विगी ने पिछले साल 2022 में 10.7 अरब डॉलर के वैल्यूएशन पर फंड जुटाया था। लेकिन भारतीय

स्टार्टअप्स ने फंडिंग की कमी और अधिक वैल्यूएशन को लेकर निवेशकों की चिंताओं को लेकर कंपनी ने अपने आईपीओ को लाने से रोक दिया था। बता दें कि स्विगी, रेस्टोरेंट्स से फूड के अलावा ग्रॉसरी आइटम्स भी डिलीवर करती है।

पेट्रोल और डीजल यूपी, प.बंगाल में महंगा

- ब्रेंट क्रूड 1.12 डॉलर की तेजी के साथ 84.48 डॉलर प्रति बैरल पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें रविवार को हल्की बढ़ी हुई दिख रही हैं। डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.78 डॉलर बढ़कर 79.83 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 1.12 डॉलर की तेजी के साथ 84.48 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में 43 पैसे का इजाफा दिख रहा है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 44 पैसे और डीजल 41 पैसे महंगा हो गया है। छत्तीसगढ़ में भी पेट्रोल 50 और डीजल 49 पैसे महंगा हो गया है। अधिकांश राज्यों में पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं दिख रहा है। केरल व ओडिशा में ईंधन की कीमतों में हल्की गिरावट दिख रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.42 रुपए और डीजल 94.21 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

सरकार ने प्रोबाइल्ड चावल पर लगाया 20 फीसदी निर्यात शुल्क

नई दिल्ली ।

पंजाब और हरियाणा में अधिक बारिश और पूर्वी भारत में कम बारिश के कारण धान के उत्पादन पर संकट के बीच, सरकार ने देर रात एक अधिसूचना में प्रोबाइल्ड चावल पर 20 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगा दिया है, जो कि 16 अक्टूबर से लागू होगा। माना जाता है कि वाणिज्य विभाग ने अलग से बासमती चावल पर 1200 डॉलर का न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) लगाने का आदेश भी जारी किया है जो 15 अक्टूबर तक लागू रहेगा। आदेश में कहा गया है कि एमईपी की समीक्षा अक्टूबर के पहले सप्ताह में की जाएगी। सरकार ने प्रोबाइल्ड चावल निर्यात पर 20 फीसदी शुल्क लगाया है। ये कदम पर्याप्त घरेलू स्टॉक बनाए रखने और डोमेस्टिक कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए उठाया गया है। बीते महीने डोमेस्टिक सप्लाई को बढ़ावा देने और रिटेल कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए नॉन-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। देश से निर्यात होने वाले कुल चावल में नॉन-बासमती सफेद चावल की हिस्सेदारी लगभग 25 फीसदी है।

कीमत के हिसाब से 2022-23 में भारत का बासमती चावल का कुल निर्यात 4.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। पिछले वित्त वर्ष की बात करें तो बीते साल नॉन- बासमती का निर्यात 6.36 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। वहीं भारत का चावल उत्पादन 2022-23 फसल वर्ष (जुलाई-जून) में बढ़कर 135.54 मिलियन टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष में 129.47 मिलियन टन था।

शुभमन और ईशान एशिया कप में धोनी ओर रैना के रिकार्ड की बराबरी के इरादे से उतरेंगे

मुम्बई (एजेंसी)। एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल युवा बल्लेबाजों शुभमन गिल और ईशान किशन पर सभी की नजरें रहेंगी। ये दोनो ही बल्लेबाज पहली बार एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल किये गये हैं। इस दौरान इन दोनो की नजरें पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और सुरेश रैना के एक बड़े रिकॉर्ड पर रहेगी।

एशिया कप में अब तक भारत की ओर से केवल धोनी और रैना ही पदार्पण मुकाबले में शतक लगा पाये हैं। धोनी ने 2008 में हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ नाबाद 109 रन बनाए थे। वहीं इसी सत्र में रैना ने भी हॉन्गकॉन्ग के खिलाफ 101 रन बनाये थे। एशिया कप के अपने पहले मैच में अजिंक्य रहाणे ने 2014 में बांग्लादेश के खिलाफ 73 रन जबकि पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ ने 1997 में श्रीलंका के खिलाफ 69 रन बनाए थे। वहीं केएल राहुल ने 2018 में अफगानिस्तान के खिलाफ 60 बनाये थे।

सलामी बल्लेबाज शुभमन ने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ दोहरा शतक लगाया था। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ तेजी से 210 रन बनाए थे।

एकदिवसीय क्रिकेट में तक पांच बल्लेबाज ही दोहरा शतक लगा पाये हैं। सबसे अधिक 3 दोहरे शतक रोहित शर्मा ने लगाए हैं। इसके अलावा वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर ने भी एक-एक बार यह उपलब्धि हासिल की है। एशिया कप के इस सत्र में भारत, पाकिस्तान, नेपाल एक ग्रुप में हैं जबकि दूसरे ग्रुप में अफगानिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका को रखा गया है।

भारतीय पुरुष 4×400 मी रिले टीम ने एशियाई रिकॉर्ड तोड़ा, पहली बार विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में

बुडापेस्ट (एजेंसी)। भारत की पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम ने दो मिनट 59.05 सेकेंड के समय से एशियाई रिकॉर्ड तोड़ते हुए पहली बार विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

भारत के मोहम्मद अनस याहिया, अमोज जैकब, मोहम्मद अजमल वारियाथोडी और राजेश रमेश की चौकड़ी ने शनिवार को पहली हीट (क्वालीफाईंग रेस) में अमेरिका (2ः58.47) के बाद दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में जगह बनाई। प्रत्येक दो हीट में से शीर्ष तीन पर रहने वाली और अगली दो सबसे तेज रहने वाली चौकड़ी ही फाइनल में पहुंचती है। एशियाई रिकॉर्ड दो मिनट 59.51 सेकेंड का था जो जापान की टीम के नाम था।

इससे पहले राष्ट्रीय रिकॉर्ड 2021 में 3ः00.25 के समय से बना था। भारतीय खिलाड़ियों ने विश्व रिकॉर्डधारी अमेरिकी चौकड़ी को कड़ी चुनौती दी और उनके करीब दूसरे स्थान पर रही। भारत दो हीट में अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर रहा। इस तरह वह मजबूत ब्रिटेन (2ः59.42) और जमैका (2ः59.82) से आगे रहा जिन्होंने क्रमशः तीसरा और पांचवां स्थान हासिल किया।

एशिया कप में सबसे अधिक रन बनाने वाले शीर्ष दोनो बल्लेबाज हैं श्रीलंकाई

–जयसूर्या पहले, संगकारा दूसरे नंबर पर

मुम्बई (एजेंसी)। इसी माह के अंत में शुरु हो रहे एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। एशिया कप इस बार एकदिवसीय प्रारुप में खेला जाएगा। आगामी विश्वकप को देखते हुए इस मुकाबले का महत्व और भी बढ़ गया है। इससे इसमें भाग लेने वाली टीम को विश्वकप में लाभ मिलना तय है। एशिया कप में भारत, पाकिस्तान , श्रीलंका, बांग्लदेश , नेपाल और अफगानिस्तान जैसी टीमें भाग लेंगी। इसमें सभी को भारत-पाक के बीच होने वाले मुकाबले का बेसब्री से इंतजार है। इस बार एशिया कप की मेजबानी पाक को मिली थी पर भारतीय टीम के इंकार के बाद इसे संयुक्त रुप से पाक और श्रीलंका में रखा गया है। इसमें केवल चार मैच पाक में होंगे। वहीं फाइनल सहित बाकि सभी मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। एशिया कप में भारत, पाक और श्रीलंका को खिताब का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

वहीं अगर इसमें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की बात करें तो श्रीलंका के दो खिलाड़ी सनथ जयसूर्या और कुमार संगकार पहले ओर दूसरे नंबर पर हैं। जयसूर्या ने अब तक सबसे अधिक 1220 रन बनाये हैं। उन्होने ये रन 25 मैचों में बनाये हैं। जिसमें 6 शतक और 3 अर्द्धशतक भी शामिल हैं जबकि संगकारा के नाम 1075 रन हैं। संगकारा ने 4 शतक और 8 अर्धशतक के साथ ही 24 मैचों में 1075 रन बनाए हैं। तीसरे स्थान पर भारत के सचिन तेंदुलकर हैं। सचिन के नाम 971 रन हैं। इस सूची में तीसरे स्थान पर भारत के सचिन तेंदुलकर हैं। उन्होंने 2 शतक और 7 अर्द्धशतक के साथ ही एशिया कप के 23 मैचों में 51.10 की औसत से 971 रन बनाए हैं। वहीं पाकिस्तान के शोएब मलिक ने 17 मैचों में 65.50 की शानदार औसत और 90.65 की स्ट्राइक रेट से 786 रन बनाए हैं और वह चौथे नंबर पर हैं। इसके बाद पांचवे नंबर पर भारत के रोहित शर्मा हैं। रोहित ने 22 मैचों में 46.56 की औसत से 745 रन बनाए।

विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाले एच एस प्रणय को पीएम मोदी ने दी बधाई, कहा- पूरे टूर्नामेंक में उनकी कौशल की चमक दिखी

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय ने डेनमार्क में आयोजित हुई विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता है। इस जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें खास उपलब्धि के लिए बधाई दी है। इस जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेल प्रेमियों के लिए सच्ची प्रेरणा बताया है। विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले एच एस प्रणय पांचवें भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बन गए है। विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में एच एस प्रणय का ये पहला पदक है।

बता दें कि एचएस प्रणय के इस पदक बदौलत भारत का 2011 के बाद से विश्व चैम्पियनशिप में एक पदक जीतने का रिकॉर्ड कायम रहा है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स (पूर्व में ट्विटर)' पर एक पोस्ट में कहा, ''क्या शानदार उपलब्धि है प्रणय। बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2023 में कांस्य पदक जीतने पर उन्हें बधाई। उनके कौशल और कड़ी मेहनत ने पूरे टूर्नामिंट में चमक बिखेरी है। वह सभी बैडमिंटन प्रेमियों के लिए एक सच्ची प्रेरणा हैं।

पिनाराई विजयन ने भी दी शुभकामनाएं

इस जीत के साथ ही केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भी एच एस प्रणय को कांस्य पदक जीतने पर बधाई दी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य के उभरते खिलाड़ी भी प्रणय की इस उपलब्धि से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ेंगे। बता दें कि इस मुकाबले में एच एस प्रणय का फाइलन में पहुंचने का सपना टूट गया मगर पहली बार चैंपियनशिप में पदक अपने नाम कर उन्होंने इतिहास रच दिया है।

ऐसा रहा मुकाबला

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय का शनिवार को यहां यहां विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप में स्वप्निल सफर पुरुष एकल सेमीफाइनल में थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्ण से तीन गेम में हारकर समाप्त हो गया। इस मैच में हार के बाद एच एस प्रणय को कांस्य पदक से संतोष कर अभियान से निकलना पड़ा। एच एस प्रणय (31 वर्ष) दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी के खिलाफशुरुआती गेम की बढ़त गंवा बैठे। दूसरे गेम में वह 5-1 से बढ़त बनाये थे लेकिन तीन बार के पूर्व विश्व जूनियर चैम्पियन ने बेहतर 'डिफेंस और अटैक' के बूते 18-21 21-13 21-14 से जीत हासिल कर लगातार दूसरे फाइनल में प्रवेश किया।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और गत चैम्पियन विक्टर एक्सेलसेन को हराने के एक दिन बाद प्रणय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। इस मैच में उनका डिफेंस कमजोर दिखा और वह 76 मिनट के मुकाबले के दौरान निरंतरता नहीं दिखा सके। इस सत्र में आस्ट्रेलियाई ओपन के उप विजेता प्रणय पिछले साल आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में दो कड़े गेम में हार गये थे और थाईलैंड के इस खिलाड़ी के डिफेंस की ताकत और वापसी करने की काबिलियत से वाकिफथे।

ये भारतीय भी जीत चुके हैं पदक

बता दें कि भारत के लिए किदाम्बी श्रीकांत (रजत), लक्ष्य सेन (कांस्य), बी साई प्रणीत (कांस्य) और प्रकाश पादुकोण (कांस्य) के बाद एचएस प्रणय पांचवे पुरुष खिलाड़ी बने हैं जिन्होंने एकल में पदक अपने नाम किया है। वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने एक स्वर्ण (2019) सहित पांच एकल पदक जीते हैं। साइना नेहवाल (रजत और कांस्य) ने दो पदक जीते हैं जबकि ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा की महिला युगल जोड़ी ने 2011 में कांस्य पदक जीता था। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने 2022 में कांस्य पदक जीता था।

विश्वकप क्रिकेट का उदघाटन समारोह भी अहमदाबाद में ही होगा

मुम्बई । पांच अक्टूबर से होने वाले एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट का उदघाटन समारोह भी अहमदाबाद में ही होगा। उद्घाटन के बाद फाइनल मैच भी 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस प्रकार अहमदाबाद ही आकर्षण का केन्द्र रहेगा क्योंकि भारत और पाकिस्तान का अहम मुकाबला भी यहीं खेला जाएगा। विश्व कप के उदघाटन समारो में सभी 10 टीमों के कप्तान उपस्थित रहेंगे। विश्वकप के 13वें सत्र का पहला मैच मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। उदघाटन समारोह में से पांच विशेष बातें रहेंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार उदघाटन समारोह में आईसीसी के सदस्य, कार्यकारी बोर्ड के सदस्य और बीसीसीआई के अधिकारी भी शामिल होंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार उदघाटन समारोह में भव्य कार्यक्रम होंगे। इसका समापन एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ होगा। आईसीसी कार्यक्रम के दौरान 10 कप्तानों के लिए एक औपचारिक ब्रीफिंग सत्र भी होगा, जिसे कैप्टन्स डे के रूप में जाना जाता है। इस समारोह से पहले 3 अक्टूबर को 6 टीमों अभ्यास मैच खेलेंगी। भारत-नीदरलैंड्स, ऑस्ट्रेलिया-पाकिस्तान और श्रीलंका-अफगानिस्तान ये मुकाबले खेलेंगी। 4 अक्टूबर की सुबह सभी टीम के कप्तान अहमदाबाद पहुंच सकते हैं। इस दौरान कप्तान को मैदान पर ले जाने की खास तैयारी चल रही है। इससे पहले 2011 में भारत में हुए विश्वकप की बात करें, तो उदघाटन समारोह बांग्लादेश में हुआ था।

विराट की तरह है आजम का खेलने का अंदाज : मूडी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर टॉम मूडी ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम और भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली में कई समानताएं हैं। मूडी ने कहा कि जिस प्रकार आजम के खेलने का अंदाज है, वह मुझे काफी हद तक विराट कोहली की याद दिलाता है। वह विराट की तरह भरोसेमंद क्रिकेट शॉट्स खेलते हैं। ऐसा लगता है कि वह खेल को बहुत अच्छे से समझता है। वह लक्ष्य का पीछा करने में भी विराट जैसा ही पारंगत है। इसलिए कहा जा सकता है कि दोनो के बीच बहुत समानता है हालांकि विराट का एशिया कप में रिकार्ड आजम से अच्छा है। इन दोनो को ही दबाव के बीच बल्लेबाजी करते देखना सुखद होता है। आजम की कप्तानी को लेकर मूडी ने कहा कि किसी भी एशियाई टीम में किसी भी कप्तान के लिए कप्तानी हमेशा बहुत कठिन होती है। अब उनके पास भी काफी अनुभव है और बहुत सारे खिलाड़ी हैं जो कप्तानी की भूमिकाओं में हैं, चाहे वह फ्रेंचाइजी क्रिकेट में हो या उनके घरेलू क्रिकेट में। इससे पहले भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने दोनों की तुलना पर कहा था कि ऐसा फिर हो सकता है। साथ ही कहा कि स्टार खिलाड़ियों के साथ ये होता रहता है। जब भी नया खिलाड़ी उभरता है तो उसकी तुलना एक ऐसे खिलाड़ी से की जाती है जो स्थापित हो।

रोहित, विराट ने एशिया कप से पहले किया जमकर अभ्यास

बेंगलुरु(एजेंसी)। भारतीय टीम आजकल एशिया कप की तैयारियों में लगी है। इसके लिए क्रिकेटर कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के थ्री ओवल्स कैंपस में बने एक शिविर में अभ्सास कर रहे हैं। इसी दौरान टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने जहां तेज गेंदबाजों, वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने स्पिनरों के खिलाफ अभ्यास किया। रोहित को गेंदबाजी बांए हाथ के तेज गेंदबाज अनिकेत चौधरी ने गेंदबाजी की। एकदिवसीय क्रिकेट में देखा गया है कि रोहित बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के आगे संघर्ष करते रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए पूर्व क्रिकेटर संजय बांगर ने कहा कि रोहित को बाएं हाथ के गेंदबाजों के खिलाफ खेलना चाहिये।

बांगर ने कहा कि ज्यादातर टीमों के पास दाएं हाथ के गेंदबाजों की जोड़ी होती है। साथ ही कहा कि एक बाएं हाथ का गेंदबाज स्टंप के करीब से गेंदबाजी करता है और गेंद दाएं हाथ के बल्लेबाज के लिए अंदर की ओर आती है। इसलिए गेंदबाज के आक्रामक होने पर शांत रहते हुए मिड-ऑफ और मिड-ऑन क्षेत्रों में रन बनाने के बारे में सोचना चाहिए।

इससे बल्लेबाज को उस कोण से होने वाली गेंदबाजी के खिलाफ बेहतर स्थिति में आने का अवसर भी मिलता है। इसलिए बल्लेबाज को सीखने की जरूरत है कि बाएं हाथ की गेंदबाजी के खिलाफ कहां रन बनाए जा सकते हैं और बल्लेबाज को किन बातों पर अधिक ध्यान देना चाहिये। इसी को देखते हुए अभ्यास के दौरान रोहित ने इन क्षेत्रों पर अधिक ध्यान दिया। वहीं विराट कोहली ने नेट्स में स्पिनरों के खिलाफ तेजी से बल्लेबाजी की। इससे साफ है कि विराट अभी लय में हैं। इसका लाभ भारतीय टीम को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में भी मिल सकता है।

लियोनल मेस्सी ने मेजर लीग सॉकर मीडिया नियमों का किया उल्लंघन

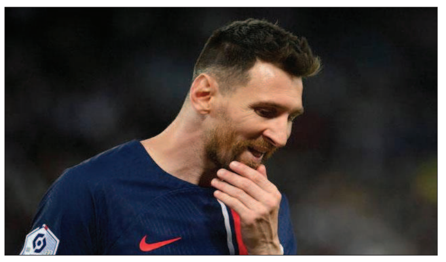

हैरिसन (न्यूयॉर्क) : लियोनल मेस्सी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) पदार्पण के बाद पत्रकारों से बात नहीं की जो लीग के मीडिया नियमों का उल्लंघन है। मेस्सी ने शनिवार रात इंटर मियामी की न्यूयॉर्क रेड बुल्स पर 2-0 की जीत में 89वें मिनट में गोल दागा। मियामी की प्रवक्ता मॉली ड्रेस्का ने मैच के बाद कहा कि मेस्सी को पत्रकारों के लिए उपलब्ध नहीं किया जा रहा है। वहीं एमएलएस के संचार कार्यकारी उपाध्यक्ष डैन कोर्टेमांचे ने कहा कि मेस्सी को अन्य खिलाड़ियों की तरह मुकाबलों के बाद मीडिया के उपलब्ध करना जरूरी था।

पाकिस्तान ने तीसरे एकदिवसीय में भी अफगानिस्तान को हराकर सीरीज जीती

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में भी अफगानिस्तान को 59 रनों से हराकर एकदिवसीय सीरीज मे 3-0 से क्लीन स्वीप किया है। इससे पहले के दोनो मुकाबले भी पाक ने आसानी से जीते थे। पाक की इस जीत में बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और सलामी बल्लेबाज इमाम उल हक की अहम भूमिका रही है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक की ओर से कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर रिजवान ने अर्धशतक लगाने के साथ ही 8 विकेट पर 268 रन बनाये। अफगानिस्तान की ओर से गुलबदिन और फरीद अहमद ने 2-2 विकेट लिए।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की टीम 48.4 ओवरों में ही 209 रनों पर आउट हो गयी। अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अनुभवी बल्लेबाज रहमनुल्लाह गुरबाज 5 रन बनाकर ही आउट हो गये। वहीं इब्राहिन जादरान भी शून्य पर ही आउट हो गये। इसके बाद अफगान टीम के बल्लेबाज एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। केवल एक बल्लेबाज मुजीब उर रहमान ही 64 रन बना पाये। वहीं पाक की ओर से शादाब खान ने 3 विकेट जबकि शाहीन अफरीदी, फहीम अशरफ और मोहम्मद नवाज ने 2-2 विकेट लिए। वहीं रिजवान ने 67 रन जबकि आजम ने 60 रन बनाये। अगा सलमान भी 38 रन बनाकर पेवेलियन लौटे।

आईबीएसए विश्व खेलों में पाकिस्तान की नेत्रहीन क्रिकेट टीम ने भारत को हराकर स्वर्ण जीता

मुम्बई (ईएमएस) । भारतीय पुरुष नेत्रहीन क्रिकेट टीम को आईबीएसए विश्व खेलों के खिताबी मुकाबले में हार के साथ ही रजत पदक मिला है। पाकिस्तान की नेत्रहीन क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को 8 विकेट से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। अंतरराष्ट्रीय नेत्रहीन स्पोर्ट्स फेडरेशन ने क्रिकेट को पहली बार विश्व खेलों में शामिल किया था। टी20 प्रारुप के इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक को जीत के लिए 185 रनों का लक्ष्य दिया। भारत की ओर से डुन्ना ने 20 रन बनाए जबकि टॉमपाकी ने 76 रन बनाए। वहीं एस रमेश ने 48 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 185 रन के लक्ष्य को पाक टीम ने 15वें ओवर में ही हासिल कर लिया। पाक की जीत में एम. उल्लाह और एन. अली की अहम भूमिका रही। इन दोनो ने ही शुरुआत में ही50 रन बना दिये। इसके बाद एम सलमान ने 48 रन और बी मुंजीर ने 41 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलायी।

'मामूली झड़प' के कारण भारतीय निशानेबाज को विश्व चैंपियनशिप से किया बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चोटी के पिस्टल निशानेबाज अंकित तोमर को 'अपने साथी निशानेबाज के साथ मामूली झड़प' के कारण टीम की रवानगी से एक सप्ताह पहले बाकू में चल रही आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप के भारतीय दल से हटा दिया गया था। उनके पिता ने रविवार को यह जानकारी दी। देश के प्रमुख सेंटर फायर पिस्टल निशानेबाज 21 वर्षीय तोमर को सात अगस्त को तब इस बारे में पता चला जब उन्होंने देखा कि अजरबैजान के बाकू शहर को रवाना होने वाले निशानेबाजों की सूची में उनका नाम नहीं है। विश्व चैंपियनशिप 14 अगस्त को शुरू हुई थी और यह एक सितंबर तक चलेगी।

तोमर को जुलाई में दक्षिण कोरिया के चांगवोन में आईएसएसएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप के दौरान 'मामूली झड़प' का खामियाजा भुगतना पड़ा। सोनीपत के रहने वाले इस निशानेबाज ने जूनियर चैंपियनशिप में कमलजीत और संदीप विश्नोई के साथ मिलकर 50 मीटर पिस्टल में टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता था। जब तोमर ने प्रतिष्ठित विश्व चैंपियनशिप के लिए सूची में अपना नाम नहीं देखा तो उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) से संपर्क किया तो उन्हें बताया गया, 'आपको सूचित कर दिया गया है कि जब तक (एनआरएआई) की अनुशासन समिति का अंतिम फैसला नहीं आ जाता तब तक आपको किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।%

तोमर ने एनआरएआई से अनुशासन समिति की सुनवाई जल्द से जल्द करवाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा था, 'यह मेरे भविष्य का सवाल है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि कल फैसला कर लें क्योंकि टीम की रवानगी में बहुत कम समय बचा है।' तोमर ने एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया को भेजे गए ई-मेल में लिखा, 'मैं बाकू में खेलना चाहता हूं क्योंकि यह मेरे भविष्य से जुड़ा है और मैं अच्छा प्रदर्शन कर रहा हूं। आप मेरा स्कोर देख सकते हैं।' एनआरएआई ने इस निशानेबाज को कारण बताओ नोटिस जारी किया लेकिन तोमर के पिता दविंदर कुमार ने कहा कि उनके बेटे को अभी तक सुनवाई के लिए नहीं बुलाया गया है जिससे वह परेशान और निशानेबाजी में अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। दविंदर ने कहा, 'यह अनुशासनहीनता का मामूली मामला था जिसकी मेरे बेटे को बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है और उसे विश्व चैंपियनशिप की टीम से बाहर कर दिया गया। वह सेंटर फायर पिस्टल में देश का नंबर एक निशानेबाज है और अगर वह जाता तो स्वर्ण पदक जीत सकता था। बाकू में हमने इस स्पर्धा में केवल कांस्य पदक जीता।' उन्होंने कहा, 'जूनियर टीम के साथ गए कोच ने भी अपना पद छोड़ दिया है क्योंकि वह एनआरएआई को यह समझाने का प्रयास कर रहे थे कि यह मामूली घटना थी। वह अभी बच्चे हैं और गलतियां कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए उन्हें कड़ी सजा दी गई।' संबंधित कोच ने हालांकि इसका खंडन करते हुए कहा, 'बाकू गए भारतीय दल के कोच की सूची में मेरा नाम नहीं होने का मतलब यह नहीं है कि एनआरएआई भविष्य में मेरी सेवाएं नहीं लेगा।' एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह ने तोमर को बाकू जाने वाली टीम से हटाए जाने की पुष्टि करते हुए कहा, 'भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए अनुशासन बेहद जरूरी है। एक घटना में वे बंदूक लेकर होटल में इधर-उधर दौड़ रहे हैं और होटल में इसका वीडियो रिकॉर्ड किया गया है। बंदूकधारियों को आसपास देखकर होटल के कर्मचारी घबरा गए थे।' तोमर ने भी एनआरएआई को लिखे माफीनामा में इन घटनाओं का जिक्र करके स्पष्ट किया था कि यह मामूली घटनाएं थी।

संकट में श्रीलंकाई टीम, चामीरा और वानिंदु हसरंगा चोटिल

कोलंबो । श्रीलंका को करारा झटका लगा जब उसके 4 क्रिकेटरों का चोट लगने और कोविड-19 संक्रमित आने से आगामी एशिया कप में खेलना संदिग्ध हो गया। तेज गेंदबाज दुष्मंता चामीरा और लेग स्पिनर वानिंदु हसरंगा चोटिल हैं, जबकि कुसाल परेरा और अविष्का फर्नांडो कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आए हैं। चामीरा कंधे की चोट के कारण एशिया कप से बाहर हो सकते हैं जो उन्हें हाल में लंका प्रीमियर लीग के दौरान लगी थी। एशिया कप से ठीक पहले कोविड के मामले आने से टूर्नामेंट पर भी प्रभाव पड़ने की आशंका है। बताया जा रहा है कि हसरंगा को एलपीएल फाइनल से पहले जांघ में हल्की चोट लगी थी जिससे हो सकता है कि वह एशिया कप में अपनी टीम के शुरुआती दो मैच में नहीं खेल सके। श्रीलंका एशिया कप में अपने अभियान का आगाज 31 अगस्त को बांग्लादेश के खिलाफ मैच से करेगा। श्रीलंका की मुश्किल तब और बढ़ गई जब बल्लेबाज परेरा और फर्नांडो को कोरोना जांच में पॉजिटिव पाया गया। दोनों को निगरानी में रखा गया है और टीम में उनका शामिल होना उनके उबरने की प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। श्रीलंकाई टीम प्रबंधन ने कहा कि दोनों को एलपीएल 2023 के अंतिम चरण के दौरान कोविड-19 संक्रमण हुआ।

लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात कांग्रेस की राज्यभर में होगी पदयात्रा, आज नडियाद से होगा प्रारंभ

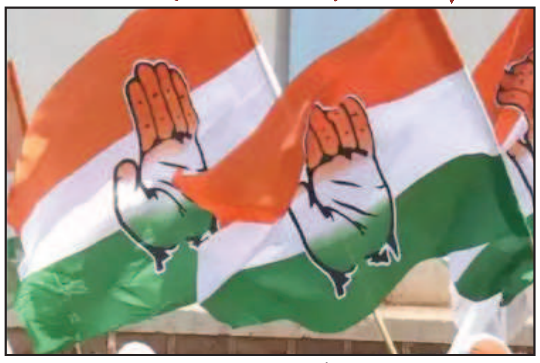

अहमदाबाद। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात कांग्रेस हरकत में आ गई है और जन जन तक पहुंचने की कवायद शुरू कर दी है। गुजरात कांग्रेस के प्रभारी सचिव बनने के बाद पहली बार अहमदाबाद पहुंचे राज्यसभा सांसद मुकुल वासनिक साबरमती आश्रम में गांधी जी को पुष्पांजलि अर्पण की। जिसके बाद मुकुल वासनिक की अध्यक्षता गुजरात कांग्रेस की बैठक हुई। इस बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर चर्चा की गई। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरातभर में पदयात्रा का आयोजन किया गया और इसका प्रारंभ सोमवार को खेडा जिले के नडियाद से होगा।

कांग्रेस का चुनाव से पहले राज्य के प्रत्येक नागरिक तक पहुंचने का आयोजन है। जिसके लिए राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर जन अधिकार पदयात्रा का आयोजन किया गया है। जिसमें नागरों और कार्यकर्ताओं के साथ स्थानीय मुद्दों को लेकर चर्चा की जाएगी और बैठक के बाद पदयात्रा स्वरूप जिला कलेक्टर कचहरी में ज्ञापन दिया जाएगा। राज्य के प्रत्येक जिलों में होनेवाली पदयात्राओं में गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल उपस्थित रहेंगे। गुजरात विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के समक्ष कई चुनौतिया हैं। इन चनौतियों के बारे में मुकुल वासनिक से सवाल करने पर उन्होंने कहा कि हम गांधी और सरदार के मार्ग पर गुजरात में आगे बढ़ेंगे। जितनी बड़ी चुनौती होगी उतनी ही मजबूती के साथ हम आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस फिर एक बार गुजरात में जनता का विश्वास और प्रेम जीतने में सफल होगी। आम आदमी पार्टी से गठबंधन के सवाल पर मुकुल वासनिक ने कहा कि गुजरात कांग्रेस नेतृत्व के साथ चर्चा के बाद पार्टी हाईकमान से विचार विमर्श के बाद ही कोई फैसला किया जाएगा।

सांसद पूनम माडम ने जामनगर स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में एलएचबी रेक के परिचालन का शुभारम्भ कराया

जामनगर। सांसद पूनमबेन माडम ने जामनगर स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में ट्रेन नं 195।8 जामनगर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर नव परिवर्तित एलएचबी रेक के परिचालन का शुभारम्भ किया। अब से ट्रेन नंबर 19578/19577 जामनगर-तिरुनेलवेली और ट्रेन नंबर 22908/22907 हापा-मडगाँव एक्सप्रेस ट्रेनें पारंपरिक रेक की जगह नव परिवर्तित एलएचबी रेक से चलेंगी। कार्यक्रम के प्रारंभ में राजकोट मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद पूनमबेन माडम ने कहा कि जामनगर-तिरुनेलवेली और हापा-मडगाँव एक्सप्रेस जैसी लम्बी दूरी की ट्रेनों में एलएचबी रेक की सुविधा यात्रियों को और अधिक आरामदायक एवं सुरक्षित यात्रा का अनुभव प्रदान करेगी। राजकोट मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार ने सांसद पूनमबेन माडम का रेल सुविधाएं बढ़ाने में उनके निरंतर प्रयासों और सहयोग हेतु विशेष आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम सुनील कुमार मीना ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ जनसम्पर्क निरीक्षक विवेक तिवारी द्वारा किया गया। इस समारोह में जामनगर की महापौर बीना कोठारी, विधायक दिव्येश अकबरी, डेप्युटी मेयर तपन परमार, जिला बीजेपी प्रमुख रमेश मुंगरा, शहर बीजेपी प्रमुख डॉ विमल कगथरा, रेलवे के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित था।

एसटी निगम त्यौहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त 500 बसें चलाएगा

अहमदाबाद। आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए राज्य परिवहन निगम (एसटी) ने यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त 500 बसें चलाने का फैसला किया है। त्यौहारों के दौरान लोग अपने गांव-शहर या नाते-रिश्तेदारों से मिलने जाते हैं, ऐसे में उन्हें किसी प्रकार की असुविधा ना इसे ध्यान में रखते हुए एसटी ने यह फैसला किया है। आगामी दिनों में रक्षा बंधन के अलावा शीतला सातम, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समेत अन्य त्यौहार आ रहे हैं। त्यौहारों पर छुट्टियां होने से लोग अपने गांव-शहर या नाते-रिश्तेदारों से मिलने या फिर घूमने-फिरने भी निकलते हैं। इस कारण एसटी निगम की बसों में भारी भीड़ होती है। इस स्थिति से निपटने और यात्रियों किसी प्रकार की असुविधा ना हो इसके लिए एसटी निगम अतिरिक्त 500 बसें दौड़ाएगा। पिछले साल के मुकाबले एसटी निगम में इस वर्ष बस और ट्रीप की संख्या में इजाफा किया है। जानकारी के मुताबिक एसटी निगम त्यौहारों में 500 अतिरिक्त बस की 2000 अतिरिक्त फेरों का संचालन करेगा। समूह में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एसटी निगम ने खास व्यवस्था भी की है। अगर 40 से अधिक यात्रियों का समूह है तो उन्हें विशेष बस सुविधा उपलब्ध होगी। 51 यात्रियों के समूह में टिकट बुक कराई जाती है तो घर तक बस सुविधा उपलब्ध होगी। साथ ही समूह टिकट बुक कराने पर छूट भी दी जाएगी। बताया जाता है कि पिछले साल 400 बसों से अतिरिक्त 1500 फेरे चलाए थे। जिससे एसटी निगम को करीब रु. 65 लाख की आय हुई थी। इस वर्ष यात्रियों की संख्या बढ़ने की संभावनाओं को देखते हुए अतिरिक्त 500 बसों के साथ 2000 ट्रीप का आयोजन किया गया है। ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। सभी डिपो को भी जरूरत के मुताबिक बस संचालन के आदेश दिए गए हैं।

ट्रैफिक पुलिस जवानों के खिलाफ लूट की शिकायत, पैसेंजर से 60 हजार ऐंठने का आरोप

अहमदाबाद। जनता की हिफाजत करने वाले ही जब लूट की घटना को अंजाम देने लगे तो आम लोगों की सुरक्षा कौन करेगा? अहमदाबाद के सोला पुलिस थानान्तर्गत की एक घटना ने पुलिस पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सोला पुलिस थाने में 3 ट्रैफिक पुलिस जवानों के खिलाफ रु. 60 हजार की लूट चलाने की एफआईआर दर्ज कराई गई है। इन तीनों पुलिसकर्मियों पर उबेर कार में सवार पैंसेजर ने रु. 60000 ऐंठने का आरोप लगाया है।

गौर करने वाली बात यह है कि सोला पुलिस थाने में पिछले तीन दिन में पुलिस के खिलाफ ऐसा दूसरा मामला दर्ज हुआ है। जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के दक्षिण बोपल क्षेत्र में रहनेवाले मिलन केला अपनी पत्नी के साथ उबेर कार में एयरपोर्ट से अपने घर लौट रहे थे।

रास्ते में ओगणज सर्कल के निकट ट्रैफिक पुलिस जवान ने उनकी कार रोक ली और उसमें सवार मिलन केला से दो लाख रुपए की मांग की और धमकी भी दी। आरोप है कि ट्रैफिक पुलिस जवानों ने मिलन केला से रु. 40000 हजार नकद ऐंठ लिए। जबकि उनकी पत्नी के फोन से उबेर कार के ड्राइवर के खाते में रु. 20000 ट्रांसफर करवा दिए। साथ ही केला दंपत्ति को धमकी दी कि घटना के बारे में किसी से जिक्र ना करे। घटना के बाद मिलन केला सोला पुलिस थाने पहुंच गए और 3 ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा दी।

बता दें कि इससे पहले गत 25 अगस्त को इसी सोला पुलिस थाने में साबरमती पुलिस थाने के कांस्टेबल आकाश पटेल समेत 4 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। अपहरण और लूट की यह रिपोर्ट गोल्डन ट्रिप टूर्स एन्ड ट्रावेल्स संचालक संजय पटेल ने दर्ज करवाई थी। संजय पटेल का आरोप है कि संजय पटेल समेत चार लोगों ने क्राइम ब्रांच के अधिकारी बताकर उनका अपहरण कर लिया था और रु. 35 लाख लूट लिए थे।

भ्रष्टाचार के कांग्रेस के आरोप पर सरकार की सफाई, अदाणी को दी गई 3900 करोड़ की रकम वापस लेंगे

अहमदाबाद। गुजरात कांग्रेस ने आज राज्य की भाजपा सरकार पर अदाणी पावर को रु. 3900 करोड़ ज्यादा देने का आरोप लगाया और कहा कि सूबे में भयमुक्त भ्रष्टाचार चल रहा है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल के आरोप के बाद राज्य सरकार के प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कांग्रेस ने गलत मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा कि रु.3900 करोड़ का कागज कोई निजी डॉक्युमेंट नहीं है और वह पब्लिक डोमिन में है। कांग्रेस ने हमेशा सरकार के विकास कार्यों में अवरोध पैदा करने का काम किया है। गुजरात समेत देशभर से कांग्रेस को खदेड़ दिया है, इसलिए वह नए नए पैंतरों से लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। परंतु लोगों को विश्वास है कि विकास भाजपा की सरकार में हुआ है। कांग्रेस हमेशा चुनाव केवक्त जनता को गुमराह करने की कोशिशें करती है, लेकिन जनता दूध का दूध और पानी का पानी कर देती है। ऋषिकेश पटेल ने कहा कि अदाणी से बिजली और वह भी लगातार खरीदने की बात सही है, जिसके लिए 2022 से बेज कार्ड रेट तय किया गया है। 2006 में बिजली पॉलिसी बनाई तब 200। में उसका अमल किया गया था। आज भी परिस्थिति के मुताबिक आवश्यक फेरबदल किया गया है। इसमें किसी प्रकार का भ्रष्टाचार नहीं है और ना सरकार ऐसा करना चाहती है। कांग्रेस सालों से ऐसी ही राजनीति करती आ रही है और देश के प्रमुख उद्योगपतियों के खिलाफ वाहियात आरोप लगाती है। सरकार ऐसे गलत आरोपों को बर्दाश्त नहीं करेगी। हांलाकि ऋषिकेश पटेल ने इस बात को स्वीकार किया कि अदाणी पावर को रु. 3900 करोड़ का ज्यादा भुगतान किया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि नए बेज रेट तय किए जाएंग तब उसमें यह रकम बराबर कर ली जाएगी। उन्होंने यह भी माना कि गुजरात ऊर्जा विकास निगम ने इस संदर्भ में अदाणी पावर को पत्र लिखा था।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज गुजरात में, तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ करेंगे बैठक

अहमदाबाद। केन्द्रीय गृह एवं सहकार मंत्री अमित शाह गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। सोमवार को केन्द्रीय गृह मंत्री तीन राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। साथ ही अपने गांधीनगर निर्वाचन क्षेत्र के कामकाज की भी समीक्षा करेंगे। गुजरात की मेजबानी में हो रही वेस्ट जोन की बैठक में राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के अलावा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणविस, उप मुख्यमंत्री अजीत पवार, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, संघ प्रदेश एडमिनिस्ट्रेशन प्रफुल पटेल शामिल होंगे। गांधीनगर में होनेवाली इस महत्वपूर्ण बैठक में तीनों राज्यों के प्रशासनिक कार्य और अन्य महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर चर्चा होगी। साल में एक बार होनेवाली यह बैठक अबकी बार गुजरात में होनेवाली है, ऐसे में राजनीति में कुछ उठापटक के संकेत हैं। वेस्टर्न जोन की बैठक में दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले के मेघवाल, नगर, रायमल और मधुबन समेत चार गांवों को संघ प्रदेश में शामिल करने के बारे चल रही प्रक्रिया को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। गुजरात आ रहे अमित शाह अपने निर्वाचन क्षेत्र गांधीनगर के कामकाज की भी समीक्षा करेंगे।

सूरत में "ट्विंकल पटेल के डिज़ाइनर स्टूडियो" का भव्य उद्घाटन

सूरत भूमि, सूरत।

सूरत के फैशन प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। जी हां! "ट्विंकल पटेल डिज़ाइनर स्टूडियो" की शुरुआत मशहूर मॉडल और एक्ट्रेस ट्विंकल पटेल और दीक्षिता गलानी ने की है। रविवार को हुए भव्य लॉन्च में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। गौरतलब है कि यह डिजाइनर स्टूडियो सूरत के जकातनाका इलाके में मारुति धाम रो हाउस में शुरू किया गया है।

महिलाओं के लिए सभी प्रकार की पोशाकें आगामी त्योहारी सीज़न विशेषकर नवरात्रि और दिवाली के साथ-साथ शादी के सीज़न के लिए भी उपलब्ध होंगी। महिलाओं के लिए सभी प्रकार के एथनिक वियर, ट्रेडिशनल वियर और वेस्टर्न वियर भी उपलब्ध होंगे। "ट्विंकल पटेल्स डिज़ाइनर स्टूडियो" एक महिला-नेतृत्व वाला और महिला-संचालित स्टूडियो है, जो यहां सभी प्रकार के परिधान पेश करता है।

इस बारे में बताते हुए ट्विंकल पटेल और दीक्षिता गलानी ने संयुक्त रूप से कहा, "आज हमारे देश के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र भाई सभी को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।आज भी महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और आत्मनिर्भर भी बन रही हैं। इसलिए हम कुछ नया करना चाहते थे और हमने सूरत में यह डिजाइनर स्टूडियो शुरू किया। हम भविष्य में गुजरात के अन्य शहरों जैसे अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट में भी अपने परिचालन का विस्तार करने की योजना बना रहे हैं।"

आप जो भी कपड़े पहनते हैं वह आपके व्यक्तित्व को दर्शाता है। महिलाओं का फैशन सेंस बहुत जरूरी है. "ट्विंकल पटेल्स डिज़ाइनर स्टूडियो" में सभी प्रकार के आउटफिट अलग-अलग फैब्रिक, रंग और प्रिंट में उपलब्ध हैं।

श्री श्याम मंदिर हिंडोला उत्सव: "फूल बंगले" में विराजे बाबा श्याम

सूरत भूमि, सूरत।

सावन मास की शुक्ल एकादशी के उपलक्ष में वीआईपी रोड, वेसु स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम में रविवार को फूल बंगला सजाया गया । हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा वृन्दावन के "फूल बंगले" की तर्ज पर श्याम मंदिर प्रांगण को सजाया गया एवं बाबा श्याम का अद्भुत श्रृंगार किया गया । इस मौके पर कोलकाता के प्रसिद्ध कारीगरों द्वारा मोगरा के फूलों से बाबा का "फूल बंगला" सजाया गया । भक्तों को सोमवार द्वादशी के मौके पर भी "फूल बंगले" का दर्शन होगा ।

इस मौके पर ट्रस्ट द्वारा सुबह दस बजे से श्री श्याम अखण्ड ज्योत पाठ का आयोजन मंदिर प्रांगण में किया गया । जिसमें पवन मुरारका एवं अमित शेरेवाला ने पाठ का वाचन किया । पाठ के दौरान अनेकों प्रसंगों पर भजनों की प्रस्तुति हुई । कार्यक्रम में शाम साढ़े पाँच बजे से लखदातार हॉल में हिंडोला उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें महिलाएँ अपने घरों से लड्डू गोपाल को लेकर आयी । इस मौक़े पर अनेकों झाकियाँ सजाई गई एवं भजनों की प्रस्तुति हुई । फूल बंगले का दर्शन करने के लिए देर रात तक भक्तों का ताँता लगा रहा ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)